RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्षः 11 अंकः 45 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,गुरूवार, 13 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

नीट मुद्दे पर संसद में घमासान, शाह के बयान पर राहुल गांधी का पलटवार

स्पीकर चर्चा के लिए घंटे तय करें: शाह

- मैं सदन में रहूंगा, ओम बिरला को लेटर लिखा, राहुल बोले, हमें लेक्चर नहीं सुनना
- नीट पेपर लीक पर चर्चा को तैयार सरकार, शाह ने स्पीकर से मांगा समय
- शाह ने कहा, हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, राहुल बोले, पहले छात्रों पर कार्रवाई का जवाब दें

एजेंसी। नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने नीट पेपर लीक पर छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए समय तय करने की मांग की। शाह ने लेटर में लिखा, 'मेरा अनुरोध है कि स्पीकर विपक्ष से चर्चा करें और आपसी सहमति के आधार पर आज से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जितना समय, दिन या घंटे उचित समझें, निर्धारित करें। मैं तय समय के दौरान सदन में मौजूद रहूंगा और इस मुद्दे पर चर्चा में हिस्सा लेने के लिए तैयार हूं। विपक्ष की ओर से उठाए गए सभी सवालों का जवाब देने के लिए भी मैं तैयार हूं।' इससे पहले दिन में सदन के बाहर शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।' इस बीच सरकार ने एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी यानी जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में रखा, जिसे मंजूरी मिल गई। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे।

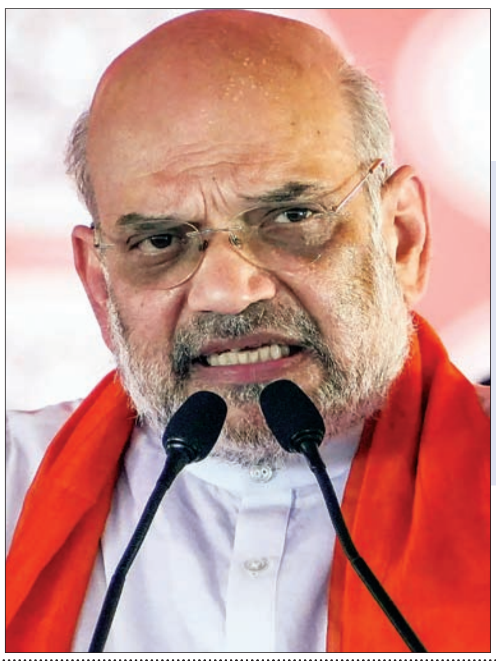

राहुल बोले, शाह सदन में क्यों नहीं आए

राहुल ने कहा- स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल ने आगे कहा- शाह घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते। सदन में हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही 13 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शाह का लोकसभा स्पीकर को लेटर

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के दौरान सरकार की ओर से नीट परीक्षा को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि विपक्ष की मांग से पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में एंटी पेपर लीक बिल पेश किया गया। उस समय विपक्ष के किसी भी सदस्य ने सदन में नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात नहीं रखी थी। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर दोबारा चर्चा के लिए तैयार है। मेरा अनुरोध है कि आप विपक्ष से चर्चा करें और आपसी सहमति के आधार पर आज से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जितना समय, दिन या घंटे उचित समझें, निर्धारित करें।

जस्टिस यशवंत वर्मा पर जांच रिपोर्ट संसद में पेश

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ कैश बरामदगी मामले में जांच समिति की रिपोर्ट बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा, दोनों में पेश कर दी गई। रिपोर्ट दो वॉल्यूम में है, जिसमें जांच के दौरान दर्ज मौखिक और दस्तावेजी सबूत भी शामिल हैं। मामला 14 मार्च 2025 को सामने आया था।

एफसीआरए संशोधन बिल जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में पास

लोकसभा ने हंगामे के बीच एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि कुछ बिलों को जेपीसी के पास भेजा जाता है और सरकार भी यही कर रही है। बिल में कुछ आपत्तिजनक है तो विपक्ष जेपीसी के सामने अपनी बात रख सकता है।खुश होने के चक्कर में इसका विरोध करना अफसोस की बात है। वहीं, अखिलेश यादव ने एफसीआरए बिल का विरोध करते हुए कहा कि पूरा विपक्ष इसके खिलाफ है। रिजिजू के इस दावे पर कि बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है, अखिलेश ने सवाल किया- आप बताइए कि कौन सा बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है?

एफसीआरए बिल की जांच जेपीसी करेगी

गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव रखेंगे। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे। लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति समिति के सदस्यों को नामित करेंगे। समिति में बैठक के लिए कुल सदस्यों के करीब एक-तिहाई की मौजूदगी जरूरी होगी। प्रस्ताव के मुताबिक, समिति को 2026 के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन तक अपनी रिपोर्ट सदन में पेश करनी होगी। इसके लिए राज्यसभा से भी समिति में शामिल होने और अपने सदस्यों के नाम भेजने की सिफारिश की जाएगी।

राहुल बोले, शाह को इस्तीफा देना चाहिए

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- विपक्ष ने साफ-साफ कह दिया है कि हमें अमित शाह के भाषण में कोई दिलचस्पी नहीं है। जब मैं 'हम' कहता हूं, तो मेरा मतलब इस देश की युवा पीढ़ी से है। स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उनके घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते।

शाह बोले, कल 3 बजे सदन में जवाब देने को तैयार

अमित शाह ने कहा कि सत्र शुरू होने के बाद से वह रोज संसद आ रहे हैं और अपने चैंबर में मौजूद रहते हैं, लेकिन विपक्ष दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि जब संसद की कार्यवाही ही नहीं चलने दी जा रही है तो सदन में जाने का क्या मतलब है। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। शाह ने कहा- अब जनता तय करे कि वास्तव में कौन भाग रहा है।

लोकसभा में बिना चर्चा के खनिज एवं खनन संशोधन विधेयक 2026 पारित

लोकसभा ने खनिज और खनन (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को बिना चर्चा के पारित कर दिया। विधेयक पेश किए जाने के कुछ ही देर बाद विपक्षी सांसद भारी नारेबाजी और विरोध करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए। इसके बाद पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बिना चर्चा के ही विधेयक को पारित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। उन्होंने विधायी कामकाज में हिस्सा नहीं लेने को लेकर विपक्षी सांसदों को फटकार भी लगाई।

जस्टिस यशवंत केस: जांच समिति ने तीनों आरोपों में माना दोषी, घर से मिले नोटों पर नहीं मिला संतोषजनक जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े कैश कांड में जांच समिति की रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से गठित जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही माना है। रिपोर्ट में उन्हें दोषी करार दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस मामले में किसी प्रकार की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। मामला दिल्ली में जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से नकदी मिलने और उसके बाद शुरू हुई जांच से जुड़ा है। जांच समिति ने नकदी की मौजूदगी, उससे जुड़े साक्ष्यों के रखरखाव और जस्टिस वर्मा की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

क्या घर के स्टोररूम में मिले थे 500 के नोट?

समिति ने अपने निष्कर्ष में जज को दोषी माना है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली के 30, तुगलक क्रिसेंट स्थित आधिकारिक आवास के स्टोररूम में पर्याप्त संख्या में ?500 मूल्यवर्ग के नोट मिले थे। समिति ने कहा कि जज

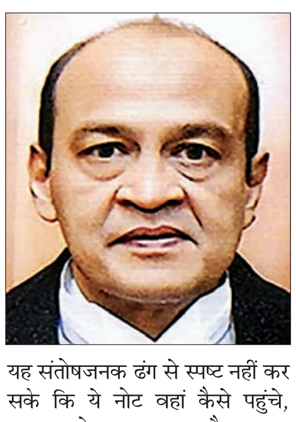

यह संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं कर सके कि ये नोट वहां कैसे पहुंचे, उनका स्रोत क्या था और उनका स्वामित्व किसका था?

जस्टिस वर्मा के जवाब पर समिति ने क्या कहा?

रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस वर्मा की ओर से खास तौर पर 22 मार्च 2025 को दिए गए जवाब और उसके बाद अपनाए गए रुख को समिति ने परिस्थितियों के अनुरूप स्पष्ट और संतोषजनक नहीं पाया। समिति ने कहा कि जवाब में वह स्पष्टता, पारदर्शिता और संस्थागत जिम्मेदारी नहीं दिखी, जिसकी इन परिस्थितियों में अपेक्षा थी। स्वतंत्र आधिकारिक गवाहों और अन्य पुष्टिकारक सामग्री के साथ जवाब की तुलना करने पर समिति ने उसे टालमटोल वाला और असंतोषजनक माना।

क्या नकदी से जुड़े सबूत सुरक्षित नहीं रखे गए?

रिपोर्ट के अनुसार स्टोररूम में मौजूद भौतिक साक्ष्यों को सुरक्षित या संरक्षित नहीं किया गया। समिति ने कहा कि कानूनी तरीके से सील करने और निरीक्षण से पहले स्टोररूम की स्थिति बदल गई थी। बाद में नकदी के नोट उपलब्ध नहीं रहे। समिति ने इस बात को भी अस्पष्ट माना कि ये नोट आखिर कहां गए।

कब गठित की गई थी समिति?

जस्टिस वर्मा के खिलाफ जांच के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 12 अगस्त 2025 को तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। बाद में समिति का पुनर्गठन किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल रहे। समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को मई 2026 में सौंप दी थी। जस्टिस वर्मा ने नौ अप्रैल 2026 को राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इसके बावजूद जांच समिति की रिपोर्ट को संसद में रखने की प्रक्रिया जारी रही। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा था कि रिपोर्ट मानसून सत्र में दोनों सदनों के समक्ष रखी जाएगी।

आखिर क्या है जस्टिस यशवंत वर्मा का कैश कांड?

यह मामला मार्च 2025 में सामने आया था। दिल्ली के 30, तुगलक क्रिसेंट स्थित जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास के स्टोररूम में आग लगने के बाद वहां बड़ी मात्रा में ?500 के नोट मिले। इसके बाद नकदी की मौजूदगी, उसके स्रोत और स्वामित्व को लेकर सवाल उठे। जस्टिस वर्मा ने नकदी से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार किया और सफाई दी। उन्होंने दावा किया था कि इसमें किसी की साजिश हो सकती है। मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई। अब समिति ने अपनी रिपोर्ट में उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को साबित माना है। इनमें नकदी को लेकर संतोषजनक स्पष्टीकरण न देना, साक्ष्यों के संरक्षण में गंभीर चूक और जांच के दौरान दिए गए जवाब को असंतोषजनक पाया जाना शामिल है।

दिल्ली मास्टर प्लान-2047 को हरी झंडी: एली ने दी मंजूरी, मेट्रो डिपो से डीडीए फ्लैट तक बैठक में लिए कई बड़े फैसले

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के भविष्य को आकार देने वाले मास्टर प्लान-2047 को उपराज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। यह महत्वपूर्ण योजना अब अंतिम अनुमोदन के लिए केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में इस पर सहमति बनी।

बैठक में एलजी ने लिए कई अहम फैसले

इस मास्टर प्लान का उद्देश्य दिल्ली के आगामी विकास और शहरी नियोजन को दिशा देना है। बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए, जो राजधानी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे। पुराने डीडीए आवासों के पुनर्विकास की नीति को भी मंजूरी मिली है। इससे दिल्ली के पुराने आवासीय क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। यह मास्टर प्लान अगले 20 वर्षों के लिए दिल्ली के विकास का खाका तैयार करेगा। इसमें आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए नई नीतियां शामिल हैं। सार्वजनिक परिवहन और नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया गया है। योजना का लक्ष्य दिल्ली को विश्व स्तरीय शहर बनाना है। यह शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करेगा।

नरेला में मेट्रो डिपो के लिए जमीन उपयोग बदलेगा

नरेला में एक मेट्रो डिपो के निर्माण के लिए जमीन के उपयोग में बदलाव किया जाएगा। यह बदलाव मेट्रो कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में सहायक होगा। मास्टर प्लान-2047 दिल्ली को एक आधुनिक और टिकाऊ महानगर बनाने की परिकल्पना करता है। इसमें हरित क्षेत्रों के विकास और प्रदूषण नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया है। योजना में जल प्रबंधन और अपशिष्ट निपटान के लिए भी प्रावधान हैं।

पुराने डीडीए फ्लैट्स का होगा पुनर्विकास

पुराने डीडीए आवासों के पुनर्विकास से हजारों निवासियों को लाभ मिलेगा। इन कॉलोनियों में बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। नरेला में मेट्रो डिपो के लिए जमीन उपयोग में बदलाव से परिवहन नेटवर्क मजबूत होगा। यह कदम दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में मेट्रो पहुंच बढ़ाएगा। इससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

आजम खां से मिले शिवपाल, एक घंटे मुलाकात, तजीन फात्मा से भी सपा नेता ने की मुलाकात

रामपुर

रामपुर में सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव बुधवार को रामपुर पहुंचे और जेल में बंद सपा नेता आजम खां से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। मुलाकात के दौरान राजनीतिक और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा होने की बात सामने आई है। जेल में आजम खां से मुलाकात के बाद शिवपाल सिंह यादव उनकी पत्नी एवं पूर्व सांसद डॉ. तजीन फात्मा से मिलने उनके आवास पहुंचे। यहां उन्होंने तजीन फात्मा से भी बातचीत की और आजम खां के स्वास्थ्य समेत अन्य विषयों की जानकारी ली। इसके बाद शिवपाल सिंह यादव जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर का जायजा लिया। शिवपाल के रामपुर पहुंचने को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में भी खासा उत्साह नजर आया। उनके दौरे को आजम खां और उनके परिवार से मुलाकात के साथ ही पार्टी से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में शिवपाल ने कहा कि सपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अगली सरकार सपा की बनेगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री होंगे। उनके बयान से यह भी संकेत मिला कि पार्टी 2027 के चुनाव में गठबंधन को भाजपा के मुकाबले मुख्य राजनीतिक विकल्प के तौर पर पेश करने की तैयारी कर रही है।

शिवपाल ने कांग्रेस से गठबंधन, बसपा से दूरी के दिए संकेत

इससे पहले, मंगलवार को उत्तर प्रदेश के 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कांग्रेस से गठबंधन और बसपा से दूरी के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि सपा का गठबंधन कांग्रेस के साथ है। उन्होंने बसपा के साथ किसी तरह के गठबंधन की संभावना से भी इनकार किया। शिवपाल के इस बयान को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विपक्षी एकजुटता की रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा मामला: 'संसद में जवाब देने से बच रही सरकार'

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को कहा कि सरकार संसद में राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर रही है। सरकार इसे राज्य का विषय बता रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राम मंदिर से राजनीतिक लाभ लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी।

'जनता के प्रति जिम्मेदारी महसूस नहीं करती सरकार'

संसद में मानसून सत्र खत्म होने के करीब होने के बावजूद जारी गतिरोध के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने कहा, यह दिखाता है कि सरकार

लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी महसूस नहीं करती। संसद ही वह जगह है, जहां उसे सवालों के जवाब देने होते हैं और बयान देना होता है। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए थे। देश के युवा सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर उतरे थे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाई गईं, आंसू गैस छोड़ी गई और पैलेट गन से गोली चलाई गई।

चपरासी से मलाईदार पटल तक: एआरटीओ उरई में बाबू शर्मा और कथित दलाल नेटवर्क पर उठे सवाल

शत्रुघ्न सिंह

- 25 वर्षों से एक ही कार्यालय में तैनाती, प्राइवेट व्यक्ति मोहित के जरिए वसूली के आरोप
- मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी और चैटिंग की जांच से खुल सकते हैं कई राज

उरई। एआरटीओ कार्यालय उरई में लंबे समय से तैनात एक कर्मचारी की कार्यशैली और उसके इर्द-गिर्द सक्रिय बताए जा रहे कथित निजी नेटवर्क को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आरोपों के केंद्र में कार्यालय में करीब 25 वर्षों से कार्यरत बाबू शर्मा हैं, जिन पर समय के साथ महत्वपूर्ण और कथित तौर पर मलाईदार पटलों पर अपनी पकड़ मजबूत करने तथा विभागीय कार्यों के लिए एक प्राइवेट व्यक्ति का इस्तेमाल करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि किसी सक्षम जांच एजेंसी या विभागीय जांच से होना अभी बाकी है।

मलाईदार पटल पर लंबे समय से पकड़ बनाए रखने के आरोप

सूत्रों के अनुसार, शर्मा ने अपने लंबे कार्यकाल के दौरान विभाग के कई महत्वपूर्ण पटलों पर काम किया। आरोप है कि अनुभव और लंबे समय से एक ही कार्यालय में बने रहने का लाभ उठाकर उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली पर प्रभाव स्थापित कर लिया। अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर इतने वर्षों तक एक ही कार्यालय में उनकी तैनाती किन परिस्थितियों में बनी रही और उन्हें लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां कैसे मिलती रहीं। विभागीय नियमों के अनुसार समय-समय पर पटल परिवर्तन और कार्यों का पुनर्वितरण किया जाना चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी एक कर्मचारी का किसी विशेष शाखा पर अत्यधिक प्रभाव न हो। ऐसे में यह भी जांच का विषय माना जा रहा है कि क्या इन

प्राइवेट व्यक्ति मोहित की कथित भूमिका पर सवाल

मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मोहित नामक एक प्राइवेट व्यक्ति से जुड़ा है। आरोप है कि यह व्यक्ति किसी सरकारी पद पर नियुक्त नहीं है, लेकिन फिर भी विभागीय कार्यों से जुड़े लोगों से लगातार संपर्क करता है। सूत्रों का दावा है कि मोहित पहले कार्यालय के अंदर कार्य करते हुए पकड़ा भी जा चुका है। इसके बावजूद वह कथित रूप से कार्यालय के बाहर सक्रिय रहकर लोगों से संपर्क करता है और फाइलों तथा विभागीय कार्यों के नाम पर धनराशि की मांग करता है। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि उसकी गतिविधियां केवल कार्यालय परिसर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वह दुकानों और एजेंटों तक जाकर लोगों से संपर्क करता है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल विभागीय नियमों का उल्लंघन होगा, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा।

मोबाइल लोकेशन और डिजिटल साक्ष्य खोल सकते हैं राज

मामले में सबसे अहम पहलू डिजिटल साक्ष्यों का माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल, चैटिंग रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की तकनीकी जांच कराई जाए तो पूरे नेटवर्क की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। जांच एजेंसियां यह पता लगा सकती हैं कि कथित प्राइवेट व्यक्ति किन-किन लोगों से नियमित संपर्क में था, वह किन स्थानों पर आता-जाता था और कार्यालय के कर्मचारियों के साथ उसका किस प्रकार का समन्वय था। यदि उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। हालांकि यह भी स्पष्ट है कि इन सभी तथ्यों की पुष्टि केवल अधिकृत जांच के बाद ही संभव होगी।

अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में

यदि कोई बाहरी व्यक्ति विभागीय कार्यों के नाम पर लोगों से संपर्क कर रहा था या कर्मचारियों की ओर से धनराशि मांगने के आरोप सामने आ रहे हैं तो स्वाभाविक रूप से विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर भी प्रश्न उठते हैं। यह जांच का विषय है कि संबंधित अधिकारियों को इन गतिविधियों की जानकारी थी या नहीं। यदि जानकारी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई और यदि जानकारी नहीं थी तो कार्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों की आवाजाही और गतिविधियों की निगरानी किस स्तर पर की जा रही थी। विभागीय जवाबदेही तय करने के लिए इन पहलुओं की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक मानी जा रही है।

लंबे कार्यकाल और कार्य आवंटन की भी हो जांच

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कथित दलाल की भूमिका की जांच पर्याप्त नहीं होगी। यह भी देखा जाना चाहिए कि पिछले ढाई दशक के दौरान संबंधित कर्मचारी को किन-किन शाखाओं की जिम्मेदारी दी गई, कितनी बार उनका पटल बदला गया और किन परिस्थितियों में उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए। यदि नियमों की अनदेखी कर लंबे समय तक एक ही कर्मचारी को संवेदनशील कार्य सौंपे गए हैं तो इसकी प्रशासनिक जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इससे भविष्य में ऐसी व्यवस्थागत खामियों को दूर करने में मदद मिल सकती है।

निष्पक्ष जांच से सामने आ सकती है सच्चाई

पूरे मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का दौर तेज है। हालांकि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले निष्पक्ष विभागीय जांच, डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण और संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आना आवश्यक है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो कथित दलाल नेटवर्क, विभागीय कर्मचारियों की भूमिका और कथित लेन-देन से जुड़े कई पहलुओं का खुलासा हो सकता है। वहीं यदि आरोप निराधार साबित होते हैं तो संबंधित कर्मचारियों को भी जांच के माध्यम से राहत मिल सकेगी। फिलहाल यह मामला आरोपों, उपलब्ध कराए गए कथित साक्ष्यों और जांच की मांग तक सीमित है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभाग इस मामले में किस प्रकार की कार्रवाई करता है और क्या मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज, चैटिंग तथा अन्य डिजिटल साक्ष्यों की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाती है या नहीं।

पुलिस मुख्यालय की बड़ी पहल

विधि विद्यार्थी अब पुलिस के कार्यों में करेंगे सहयोग

एसओजी,एससीआरबी, अपराध शाखा,साइबर शाखाओं में मिलेगा प्रशिक्षण का अवसर

राजस्थान पुलिस अवैतनिक प्रशिक्षुता कार्यक्रम शुरु'

युवा विधि प्रतिभाओं को पुलिस से जोड़ने की अनूठी पहल

विधि विषय शोधार्थियों, विधि स्नातक, स्नातकोत्तरों से शीघ्र मांगे जाएंगे आवेदन

स्मार्ट हलचल

जयपुर देश-विदेश के विश्वविद्यालयों में विधि स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थी अब राजस्थान पुलिस में प्रशिक्षु के रूप में जुड़ सकेंगे। इन्हें पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं, इकाईयों, ब्यूरो और क्षेत्रीय इकाईयों में पुलिस कार्यों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। प्रशिक्षु अपनी दक्षता से प्रभावी पुलिसिंग, आपराधिक न्याय प्रणाली, फोरेंसिक विज्ञान, साइबर कानून और सम्बद्ध कानूनी विषयों में नीति विश्लेषण, डेटा संग्रह और अनुसंधान की प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे तथा पुलिस का सहयोग कर सकेंगे। राजस्थान महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय ने उच्च स्तरीय अकादमिक प्रतिभाओं के लिए 'राजस्थान पुलिस प्रशिक्षुता योजना' प्रारंभ की है। योजना के लिए प्रतिभाओं से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध शाखा श्री बिपिन कुमार पाण्डेय द्वारा जारी आदेशानुसार चयनित प्रशिक्षुओं का अपराध शाखा, एससीआरबी, एसओजी, यातायात, साइबर अपराध, विधि शाखा, आधुनिकीकरण एवं अन्य इकाइयों के कानूनी शोध, डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सहयोग लिया जाएगा। प्रशिक्षुता पूर्णतः अवैतनिक आधार पर होगी। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं के करियर और भविष्य के हितों में मजबूत विधिक अनुभव प्रदान करना है।

आवेदन के लिए पात्रता

राजस्थान पुलिस प्रशिक्षुता योजना में आवेदन के लिए उम्मीदवारों का 12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत या समकक्ष अंक होना अनिवार्य है। इसके अलावा निम्नलिखित श्रेणियों के विद्यार्थी पात्र होंगे- 3 वर्षीय एलएलबी विद्यार्थी, जो वर्तमान में अंतिम वर्ष (5वें या छठे सेमेस्टर) में पढ़ रहे हों और पिछले सभी सेमेस्टरों में कुल मिलाकर कम से कम 60 प्रतिशत या समकक्ष अंक प्राप्त हों। साथ ही, 5 वर्षीय एकीकृत कानून विद्यार्थी (बीए एलएलबी/बीबीए एलएलबी/बी.कॉम एलएलबी आदि), जो वर्तमान में अंतिम वर्ष (9वें या 10वें सेमेस्टर) में अध्ययनरत हों तथा पिछले सभी सेमेस्टरों में कुल 60 प्रतिशत या समकक्ष अंक प्राप्त हों। स्नातकोत्तर (एलएलएम/पीएचडी), एलएलएम के प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा दे चुके विद्यार्थी तथा कानून में पीएचडी कर रहे शोधार्थी पात्र होंगे। स्नातक (एलएलबी या एकीकृत कानून डिग्री) में कम से कम 60 या समकक्ष अंक प्राप्त होने चाहिए। हाल ही में विधि स्नातक करने वाले अभ्यर्थियों और बार काउंसिल नामांकन या उच्च अध्ययन की प्रतीक्षा कर रहे हैं उनके आवेदनों पर भी विचार किया जाएगा।

यह जानना भी जरूरी

इंटर्नशिप की न्यूनतम अवधि 45 दिन और अधिकतम अवधि 03 महीने तक हो सकती है। कार्य अनुभव प्रमाण पत्र के लिए पूरी अवधि में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। चयनितों को अपना लैपटॉप स्वयं लाना होगा। पुलिस मुख्यालय द्वारा कार्यस्थल, इंटरनेट सुविधा और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

सालभर खुली रहेगी आवेदन विंडो

यह योजना पूरे वर्ष खुली रहेगी। इच्छुक उम्मीदवार राजकॉप सिटीजन ऐप के माफ़र्त ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी राजस्थान पुलिस की आधिकारिक वेबसाईट www.police.rajasthan.gov.in पर पर नागरिक सेवाओं के अंतर्गत उपलब्ध है। आवेदन माह दिसम्बर, मार्च, जून व सितंबर में जनवरी, अप्रैल, जुलाई व अक्टूबर क्रमशः के बैच के लिए भरे जा सकते हैं।

मिलेगा आधिकारिक प्रमाण पत्र

निर्धारित समय और नियमों के तहत इंटर्नशिप को सफलतापूर्वक पूरा करने और संबंधित विंग प्रमुख को अपनी संक्षिप्त रिपोर्ट/शोध पत्र सौंपने के बाद, राजस्थान पुलिस की प्रशिक्षण शाखा द्वारा सभी सफल उम्मीदवारों को आधिकारिक अनुभव प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, जो उनके विधिक एवं न्यायिक करियर में महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा।

पंचगौरव में अर्जुन, संतरा और टेक्सटाइल पर फोकस

37 लाख के बजट से विकास को मिलेगी रफ्तार, सितंबर में होगी सामूहिक कार्यशाला

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / जुला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में आयोजित पंचगौरव समीक्षा बैठक में जिलकी पहचान सेजुड़े अर्जुन, संतरा, बास्केटबॉल, मांडलगढ़ दुर्ग और टेक्सटाइल उत्पाद के विकास, संवर्धन और प्रचार-प्रसार की रणनीति पर मंथन हुआ। वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचगौरव के लिए 37 लाख रुपए का बजट मिला है। अर्जुन वनस्पति के संरक्षण के लिए हरणी महादेव नर्सरी की क्षमता बढ़ाने, आधुनिकीकरण, शेडनेट निर्माण और जरूरी उपकरण खरीदने के कार्य किए जाएंगे। अर्जुन-संतरा को मिलेगा ODOP का सहारा बैठक में अर्जुन और संतरा को राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट नीति-2024 से जोड़कर प्रसंस्करण इकाइयों को उद्यमिता, तकनीक, गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। पात्र इकाइयों को 25 लाख रुपए तक मार्जिन मनी, 5 लाख तक तकनीकी सहायता, 3 लाख तक गुणवत्ता प्रमाणन, 2 लाख तक मेले-प्रदर्शनी और 1 लाख रुपए तक ई-कॉमर्स अनुदान का प्रावधान है। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की उप निदेशक डॉ. सोनल राज कोठारी ने बताया कि उत्पादकों, उद्यमियों और हितधारकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सितंबर में सामूहिक कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

वृद्धाश्रम पहुंचीं रश्मि आर्य, बुजुर्गों के अधिकारों की दी जानकारी

विधिक साक्षरता शिविर में निःशुल्क कानूनी सहायता से कराया अवगत, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्य ने बुधवार को श्री गोविंद वृद्धाश्रम एवं मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह का निरीक्षण कर वृद्धजनों से संवाद किया। इस दौरान आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में बुजुर्गों को उनके कानूनी अधिकार, विधिक संरक्षण और निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। आर्य ने वृद्धाश्रम में आवास, भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रबंधन की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने वृद्धजनों के साथ बैठकर भोजन भी चखा और कहा कि बुजुर्गों को परिवार जैसा माहौल और सम्मान देना समाज की बड़ी जिम्मेदारी है। शिविर में उपस्थित अधिवक्ताओं ने वृद्धजनों की समस्याएं सुनीं और आवश्यक कानूनी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में वृद्धाश्रम अध्यक्ष रमेंद्र अवस्थी, निदेशक नीरज पारासर, शांतिलाल जैन, सुनील पारीक, पुनीत मेहता, मनोज व्यास, दीपक अग्रवाल, सहित श्री राधाजीवन संध्या संस्थान के पदाधिकारी मौजूद रहे। वृद्धजनों ने टीम का आभार जताया।

डोडा चूरा तस्करी में दो तस्करों को 10-10 साल की सजा, दोनों पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना, एनडीपीएस कोर्ट का फैसला

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा अवैध अफीम डोडा चूरा तस्करी के मामले में भीलवाड़ा एनडीपीएस अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए चित्तौड़गढ़ जिले के दो तस्करों को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोनों अभियुक्तों को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास और 1-1 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई। सजा पाने वालों में गोविन्द कुमार पुत्र उदयलाल धाकड़ निवासी गोपालपुरा, थाना बेगूं और मनोज हजूरी पुत्र कन्हैयालाल हजूरी निवासी धारला, थाना बेगूं, चित्तौड़गढ़ शामिल हैं। मामला 29 सितंबर 2021 का है। तत्कालीन बीगोद थानाधिकारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लाडपुरा की ओर से आ रही एक मारुति कार में अवैध अफीम डोडा चूरा भरा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्रिवेणी चौराहे पर नाकाबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए के अनुसार कार आती दिखाई दी, जिसे पुलिस ने रुकवाकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 5 प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए, जिनमें कुल 94 किलो 140 ग्राम अफीम डोडा चूरा मिला। पुलिस ने मादक पदार्थ और कार जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। अनुसंधान पूरा होने के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने अभियोजन पक्ष की ओर से अपराध साबित करने के लिए 9 गवाह और 71 दस्तावेजी साक्ष्य न्यायालय के समक्ष पेश किए। दोनों पक्षों की बहस और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद विशेष अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी माना और 10-10 साल के कठोर कारावास तथा 1-1 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत के इस फैसले से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को भी मजबूती मिली है।

बारिश ने खोली नगर निगम और प्रशासन की पोल, अंडरपास बने तालाब, सड़कों पर सैलाब

जल निकासी के दावों की खुली पोल, पानी में फंसे वाहन; हर बारिश में वही समस्या, जिम्मेदारों की तैयारियों पर सवाल

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा। बुधवार को हुई तेज बारिश ने नगर निगम और प्रशासन की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। कुछ देर की बारिश में ही शहर की प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं और कई अंडरपास तालाब में तब्दील हो गए। सड़कों पर भरे पानी के बीच दोपहिया वाहन, ऑटो और कारें बंद हो गईं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के कई इलाकों में हालात ऐसे रहे कि सड़क और नाले का अंतर ही नजर नहीं आया। अंडरपास में पानी भरने से यातायात बाधित हुआ और वाहन चालकों को रास्ता बदलकर जाना पड़ा। पानी में सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देने से हादसे का खतरा भी बढ़ गया। ऑटो चालक अमजद मंसूरी ने बताया कि शाम करीब 4 बजे वह कावाखेड़ा से सवारी लेकर सुभाष नगर जा रहा था। अंडरपास में पानी इतना भर गया कि सवारी सहित ऑटो बीच रास्ते में बंद हो गया। उनका कहना था कि हर बारिश में यही हाल होता है, लेकिन नगर निगम और प्रशासन स्थायी समाधान के बजाय हर बार बारिश के बाद पानी निकालने में जुट जाता है। मंसूरी ने आरोप लगाया कि जलभराव की समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। चंद्रशेखर पुलिया सहित शहर के कई पुलिया और अंडरपास में बारिश के दौरान जलभराव आम समस्या बन चुकी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मानसून से पहले जल निकासी की तैयारियों और करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के दावों के बावजूद पहली तेज बारिश में ही शहर की व्यवस्था क्यों चरमरा गई? यदि संवेदनशील स्थानों की पहले से पहचान थी तो वहां पानी निकासी के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए? बारिश ने नगर निगम और प्रशासन के उन दावों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनमें मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने की बात कही गई थी। लोगों का कहना है कि हर साल बारिश में यही तस्वीर सामने आती है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता। वहीं नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि जलभराव वाले स्थानों पर पंप लगाकर पानी की निकासी कराई जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि जनता को हर बार जलभराव के बाद राहत देने की कवायद क्यों करनी पड़ती है, बारिश से पहले व्यवस्था क्यों नहीं सुधारी जाती? शहरवासियों ने निगम और प्रशासन से केवल तात्कालिक राहत नहीं, बल्कि जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

महिला कांग्रेस की रावतभाटा नगर कार्यकारिणी घोषित : जिलाध्यक्ष यशोदा पुरोहित ने की नई टीम का ऐलान

प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह की सहमति व पूर्व मंत्री उदयलाल आंजणा की अनुशंसा पर हुई घोषणा, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प

स्मार्ट हलचल

रावतभाटा/चित्तौड़गढ़ राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह की सहमति और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष व पूर्व सहकारिता मंत्री उदय लाल आंजना की अनुशंसा पर चित्तौड़गढ़ महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित द्वारा रावतभाटा नगर कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है।

बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का लक्ष्य

कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए जिलाध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी क्षेत्र में संगठन को और अधिक गतिशील तथा मजबूत बनाने में अपनी महती भूमिका निभाएगी।

'कांग्रेस की रीति-नीति और विचारधारा को पहुंचाएं जन-जन तक'

जिलाध्यक्ष यशोदा पुरोहित ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे कांग्रेस पार्टी की जनहितकारी विचारधारा और रीति-नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। साथ ही आगामी समय में बूथ स्तर तक महिला संगठन को सशक्त और सक्रिय बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का संदेश दिया।

भीलवाड़ा में जुटेंगे देशभर के सर्जन, सितंबर में RAMAS-2026

500 से ज्यादा विशेषज्ञ करेंगे आधुनिक सर्जरी पर मंथन, लाइव ऑपरेशन से रोबोटिक सर्जरी और AI तक होंगे सत्र

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) राजस्थान एसोसिएशन ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जन्स (RAMAS) का 18वां वार्षिक सम्मेलन सितंबर में भीलवाड़ा में होगा। कृष्णा हॉस्पिटल सचिवालय के रूप में इसकी मेजबानी करेगा। सम्मेलन में देशभर से 500 से अधिक सर्जन्स व विशेषज्ञ शामिल होंगे। मंगलवार को पत्रकारों से मुखातिब ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. कैलाश काबरा ने बताया कि सम्मेलन में लैप्रोस्कोपिक यानी की-होल सर्जरी, लाइव ऑपरेशन टेलीकास्ट, लेजर प्रोक्टोलॉजी, रोबोटिक सर्जरी और हु पर विशेषज्ञ मंथन करेंगे। विभिन्न शहरों से लाइव ऑपरेशन का प्रसारण भी होगा। उन्होंने बताया कि हर्निया, गॉल ब्लैडर, जटिल आंतों की सर्जरी सहित पाइल्स, फिस्टुला और फिशर के आधुनिक उपचार पर विशेष सत्र होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य नई तकनीकों और विशेषज्ञ अनुभवों को युवा सर्जन्स व रेजिडेंट्स तक पहुंचाकर आधुनिक सर्जरी को नई दिशा देना है।

बारिश में झूमते नाचते गाते पहुंचे भक्त...

हरियाली अमावस पर सरथला से त्रिवेणी पहुंची कांवड़ यात्रा, शिव भक्ति में झूमे श्रद्धालु,

मानपुरा में शिव भक्तों का किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

काछोला -श्रावण मास की हरियाली अमावस्या के अवसर पर सरथला चारभुजा नाथ मंदिर से शुरू हुई कांवड़ यात्रा संगम नगरी त्रिवेणी पहुंची। यात्रा में सैकड़ों कांवड़ यात्रियों एवं शिव भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। त्रिवेणी में भगवान सरथला श्याम एवं भोलेनाथ के भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे और नृत्य किया। सरथला श्याम भक्त दुर्गा सिंह राठौड़ एवं जय सिंह पुरावत ने कांवड़ यात्रियों व श्रद्धालुओं का स्वागत-अभिनंदन किया। इस दौरान भक्तों ने भगवान श्री सरथला चारभुजा नाथ एवं भोलेनाथ के जयकारे लगाए। सैकड़ों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कांवड़ यात्रा में श्रद्धालु केसरिया रंग की पोशाक पहनकर शामिल हुए और सामूहिकता व एकता का संदेश दिया। त्रिवेणी से सरथला तक श्रद्धालु नाचते-गाते हुए वापस पहुंचे। सरथला पहुंचने पर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ यात्रियों एवं भक्तों का स्वागत किया।

सत्ता के साए में बजरी का खेल प्रशासन पर उठे सवाल...

फर्जी रवन्ना मामले में एक गिरफ्तारी के बाद बड़े नामों पर नजर, मांडलगढ़ में सत्ता के सामने प्रशासन नतमस्तक होने के आरोप

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। विधानसभा क्षेत्र में बजरी के अवैध कारोबार और फर्जी रवन्ना के मामले ने अब प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फर्जी रवन्ना तैयार करने वाले ई-मित्र संचालक की गिरफ्तारी के बाद जहां पुलिस कार्रवाई से बजरी कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर इतने लंबे समय तक फर्जी दस्तावेजों के सहारे बजरी परिवहन का खेल कैसे चलता रहा? क्षेत्र में चर्चा है कि क्या सत्ता से जुड़े प्रभावशाली लोगों के दबाव के आगे प्रशासनिक मशीनरी कमजोर पड़ रही है? हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है, लेकिन फर्जी रवन्ना प्रकरण ने प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

एक गिरफ्तारी के बाद खुलेंगे कई राज?

पुलिस द्वारा कंप्यूटर, रवन्ना पर्चियां और अन्य सामग्री जब्त किए जाने के बाद अब जांच का दायरा बढ़ना स्वाभाविक है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में यह पता लगाने की कोशिश होगी कि फर्जी रवन्ना किसके कहने पर तैयार किए जाते थे, किन वाहनों के लिए बनाए गए और इस पूरे नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल थे। यदि जांच डिजिटल रिकॉर्ड, मोबाइल संपर्क और आर्थिक लेनदेन तक पहुंचती है तो फर्जी रवन्ना के पीछे छिपे कई चेहरे सामने आ सकते हैं।

प्रशासन की चुप्पी पर भी सवाल

बजरी का अवैध कारोबार कोई अचानक खड़ा हुआ खेल नहीं है। नदी क्षेत्र से लेकर परिवहन मार्गों तक निगरानी की जिम्मेदारी अलग-अलग सरकारी विभागों की होती है। ऐसे में सवाल यह है कि यदि फर्जी रवन्ना के जरिए वाहनों को वैध दिखाया जा रहा था तो संबंधित विभागों की नजर इस खेल पर पहले क्यों नहीं पड़ी? क्या कार्रवाई सिर्फ तब होगी जब मामला अखबार की सुर्खियां बने या शिकायतें बढ़ें? या फिर प्रशासन अवैध बजरी कारोबार की जड़ तक जाकर कार्रवाई करेगा?

सत्ता और प्रशासन के रिश्ते पर बड़ा सवाल

मांडलगढ़ में अब चर्चा सिर्फ बजरी माफिया की नहीं, बल्कि सत्ता और प्रशासन के कथित गठजोड़ की भी होने लगी है। यदि किसी प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण में अवैध कारोबार चल रहा है तो उसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। और यदि आरोप निराधार हैं तो प्रशासन को स्वयं आगे आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

कानून के सामने न सत्ता बड़ी होनी चाहिए और न बजरी माफिया।

फर्जी रवन्ना मामले में हुई गिरफ्तारी को अब बड़ी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस और प्रशासन यदि निष्पक्षता के साथ आगे बढ़ते हैं तो एक ई-मित्र संचालक से शुरू हुई जांच फर्जी रवन्ना बनवाने वालों से लेकर इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों तक पहुंच सकती है।

अब कार्रवाई कागजों पर नहीं, जमीन पर चाहिए

मांडलगढ़ की जनता का सवाल सीधा है—अगर अवैध बजरी परिवहन हो रहा है तो जिम्मेदार कौन है? अगर फर्जी रवन्ना बन रहे थे तो निगरानी तंत्र कहां था? और अगर इस खेल में प्रभावशाली लोग शामिल हैं तो क्या उन तक कानून पहुंचेगा? अब जरूरत सिर्फ एक गिरफ्तारी की नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को बेनकाब करने की है। सत्ता के सामने प्रशासन नतमस्तक है या कानून अपना काम कर रहा है—इसका जवाब आने वाले दिनों में पुलिस की अगली कार्रवाई देगी।

पुर में बिजली व्यवस्था बेहाल, बारिश की बूंदों के साथ गुल हो जाती है बिजली

गांवों से भी बदतर हालात, 12 कर्मचारियों के ठेके में मौके पर सिर्फ 2; ग्रिड पर एक कर्मचारी के भरोसे तीन शिफ्ट

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) शहर के उपनगर पुर में बिजली व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर गई है। बारिश और हवा शुरू होते ही बिजली गुल होना यहां आम बात हो गई है। हालात इतने बदतर हैं कि शहर का यह इलाका गांवों से भी बदतर बिजली व्यवस्था झेल रहा है। AVVNL सिटी द्वितीय और सिक्योर कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपभोक्ताओं से निर्बाध बिजली आपूर्ति के नाम पर नियमित रूप से विद्युत शुल्क वसूला जा रहा है।

पेड़ों की कटिंग नहीं, हल्की हवा में ही फॉल्ट

पुर क्षेत्र में 33 केवी, 11 केवी और एलटी लाइनों से सटकर खड़े पेड़ बिजली आपूर्ति के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं। आरोप है कि समय पर पेड़ों की कटिंग नहीं होने से बारिश और हवा के दौरान लाइनें फॉल्ट हो जाती हैं। इसके बाद घंटों तक बड़े इलाके की बिजली आपूर्ति ठप रहती है। इतना ही नहीं, जीओ/डीओ फ्यूज सिस्टम का भी प्रभावी इस्तेमाल नहीं होने से छोटी खराबी का असर बड़े क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तकनीकी व्यवस्था होने के बावजूद उसका प्रभावी संचालन नहीं किया जा रहा।

10-12 कर्मचारियों का प्रावधान, मैदान में सिर्फ दो

बिजली व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए ठेके पर लगाई गई एफआरटी टीम में मैनपावर की भारी कमी का आरोप है। ठेके में करीब 10-12 कर्मचारियों का प्रावधान होने के बावजूद पुर क्षेत्र में कथित तौर पर मात्र दो कर्मचारी ही काम कर रहे हैं। ऐसे में फॉल्ट आने पर सीमित कर्मचारियों पर पूरा क्षेत्र संभालने का दबाव रहता है और खराबी दूर होने में लंबा समय लग जाता है। इसका सीधा खामियाजा उपभोक्ताओं को घंटों बिजली कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

एक कर्मचारी के भरोसे तीन शिफ्ट का ग्रिड संचालन

सबसे गंभीर स्थिति ग्रिड संचालन की बताई जा रही है। नियमानुसार तीनों शिफ्ट में अलग-अलग तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता के बावजूद वर्तमान में एक ही तकनीकी कर्मचारी के भरोसे तीन शिफ्ट चलाने का आरोप है। इससे न केवल बिजली व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि सुरक्षा और तकनीकी प्रबंधन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शुल्क पूरा, सुविधा अधूरी–उपभोक्ताओं में आक्रोश

स्थानीय लोगों का कहना है कि उपभोक्ताओं से बिजली आपूर्ति के लिए पूरा शुल्क लिया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद मामूली बारिश और हवा में घंटों बिजली गायब हो जाती है। संसाधनों और मैनपावर की कमी का खामियाजा आखिर उपभोक्ता क्यों भुगतें? यही सवाल अब पुर क्षेत्र में जोर पकड़ रहा है।

आंदोलन की चेतावनी

मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन के जिला अध्यक्ष एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री रतनलाल आचार्य द्वारा जिला प्रशासन और निगम के अधीक्षण अभियंता को पत्र एवं व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायत भेजकर व्यवस्था सुधारने की मांग की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उपभोक्ताओं को साथ लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

ये है तीन प्रमुख मांगें:-

33/11 केवी और एलटी लाइनों के आसपास लगे पेड़ों की तत्काल कटिंग कराई जाए।

एफआरटी टीम और ग्रिड पर ठेके के अनुसार पूरा स्टाफ लगाया जाए।

उपभोक्ताओं से 24 घंटे बिजली आपूर्ति का शुल्क लिया जा रहा है तो निर्बाध 24 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

अब सवाल यह है कि पुर के उपभोक्ताओं को बार-बार अंधेरे में रखने वाली इस व्यवस्था पर जिम्मेदार अधिकारी कब तक आंखें मूंदे रहेंगे?

कांग्रेस के ओमप्रकाश कांसोटिया का लंबा राजनीतिक सफर....

दो दशक से संगठन और जनसेवा में सक्रिय सावर से शुरू हुआ

राजनीतिक सफर, पंचायत से लेकर कांग्रेस संगठन में निभाई कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

स्मार्ट हलचल

सुरज वर्मा सावर में कांग्रेस संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहकर राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले ओमप्रकाश कांसोटिया का राजनीतिक सफर वर्ष 2001 से लगातार जारी है। सावर क्षेत्र से शुरू हुआ उनका यह सफर पंचायत चुनाव, युवा संगठन, सामाजिक आंदोलनों और कांग्रेस संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों तक पहुंचा है। उपलब्ध विवरण के अनुसार कांसोटिया वर्ष 2001 से राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। कांसोटिया ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वर्ष 2001 से 2005 तक एनएसयूआई के माध्यम से की। इसके बाद वर्ष 2004 में सावर से पंचायत समिति सदस्य का चुनाव कांग्रेस पार्टी के टिकट पर लड़ा। वर्ष 2005 से 2010 तक उन्होंने ग्राम सावर रेगर समाज यूथ संगठन के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए सामाजिक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 2009-10 के पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी की ओर से गुलगांव पंचायत में पंचायत समिति सदस्य के चुनाव के लिए प्रभारी बनाया गया। वहीं वर्ष 2010 में केकड़ी नगरपालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी से पार्षद प्रत्याशी के चुनाव के लिए भी उन्हें प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई।

सामाजिक आंदोलनों से लेकर कांग्रेस संगठन तक सक्रिय भूमिका

दस्तावेज के अनुसार वर्ष 2009 से 2023 14 साल तक कांसोटिया डॉ. भीमराव अंबेडकर संघर्ष समिति, सावर के अध्यक्ष पद पर कार्यरत रहें। वर्ष 2010 से 2015 तक उन्होंने युवा संगठन रेगर समाज, विधानसभा केकड़ी के अध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। वर्ष 2019 से 2021 तक अभाव-अभियोग प्रकोष्ठ ब्लॉक कांग्रेस पार्टी केकड़ी के अध्यक्ष तथा वर्ष 2019 से 2022 तक ब्लॉक कांग्रेस पार्टी केकड़ी के उपाध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2020 से वे सार्वभौमिक मानवाधिकार परिषद, अजमेर जिला अध्यक्ष पद पर कार्यरत होने का उल्लेख दस्तावेज में है। इसके बाद वर्ष 2022 से कांग्रेस पार्टी सेवा दल अजमेर जिला महासचिव की जिम्मेदारी संभाली।

जनवरी 2023 से कांग्रेस के महाराणा प्रताप मंडल की कमान

कांग्रेस संगठन में लगातार सक्रियता के बीच जनवरी 2023 से ओमप्रकाश कांसोटिया कांग्रेस के महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। हालिया कांग्रेस गतिविधियों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी सामने आई है। अगस्त 2026 में सावर में कांग्रेस की बैठकों और प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की तैयारियों में भी कांसोटिया की भूमिका दर्ज हुई है ।दस्तावेज के अनुसार वर्ष 2018 से 2023 राजकीय अस्पताल सावर में एमआरएस सदस्य के रूप में भी कार्यरत रहें। वहीं अप्रैल 2023 से राजस्थान प्रांतीय रेगर महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर कार्य करने का उल्लेख किया गया है।

दो दशक से राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय

ओमप्रकाश कांसोटिया के राजनीतिक सफर को देखें तो वर्ष 2001 से लेकर अब तक करीब 25 वर्षों से वे राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। पंचायत राजनीति से लेकर कांग्रेस के विभिन्न संगठनात्मक पदों और सामाजिक संस्थाओं तक उन्होंने अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाई हैं। कांग्रेस की स्थानीय राजनीति में उनकी सक्रियता को देखते हुए उन्हें संगठन और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच लगातार सक्रिय रहने वाले नेताओं में माना जाता है। वर्तमान में महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष के रूप में वे कांग्रेस संगठन को बूथ एवं मंडल स्तर तक मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने की दिशा में भूमिका निभा रहे हैं।

महाकाल की सवारी में पुर की दशम सेवा समिति ने जमाया भक्ति का रंग

65 सदस्यीय दल ने बाजारों में की भव्य महाआरती, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब; पुर की खुशहाली और लक्ष्मीनाथ मंदिर निर्माण की कामना

स्मार्ट हलचल

उज्जैन/भीलवाड़ा / शहर के उपनगर पुर की दशम सेवा समिति ने उज्जैन में भगवान महाकाल की सवारी के दौरान भक्ति और सेवा की अनूठी मिसाल पेश की। 65 सदस्यीय दल ने महाकाल की सवारी के आगे-आगे बाजारों में भव्य महाआरती करते हुए पुर की खुशहाली, सुख-समृद्धि और श्री लक्ष्मीनाथ भगवान मंदिर निर्माण की मंगलकामना की। आरती के दिव्य दृश्य के हजारों-लाखों श्रद्धालु साक्षी बने। समिति के दल ने रविवार को अहिल्या मंदिर में पूजा-अर्चना कर पुर की खुशहाली की प्रार्थना की। इसके बाद ओंकारेश्वर में मां नर्मदा के पावन तट पर रात्रि करीब 9 बजे भव्य महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

महाकाल की सवारी के आगे गूंजे जयकारे

सोमवार को उज्जैन में भगवान महाकाल की भव्य सवारी निकली तो दशम सेवा समिति के सदस्य आरती की थालियां लेकर सवारी के आगे-आगे बाजारों से गुजरे। रास्ते के दोनों ओर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। महाआरती और भगवान महाकाल के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत

समिति की धार्मिक सेवा और अनुशासन की स्थानीय लोगों व श्रद्धालुओं ने सराहना की। कई स्थानों पर सदस्यों का फूलों से स्वागत किया गया। आयोजन को उज्जैन के विभिन्न मीडिया संस्थानों और टीवी चैनलों ने भी प्रमुखता से कवरेज दिया।

दशम सेवा समिति के सदस्यों ने कहा कि यह सिर्फ धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि पुर की खुशहाली, श्री लक्ष्मीनाथ भगवान के भव्य मंदिर निर्माण और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए सामूहिक आस्था व संकल्प की यात्रा है। समिति ने महाकाल बाबा और भगवान ओंकारेश्वर से सभी के सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की।

वृद्धा की हत्या व लूट का 6 घंटे में सनसनीखेज खुलासा, दो आरोपी डिटेन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/बदनौर। ब्यावर जिला पुलिस ने बदनोर थाना क्षेत्र के चौनपुरा गांव में 72 वर्षीया एकाकी वृद्धा की निर्मम हत्या और लूट की वारदात का महज़ 6 घंटे में सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध अभियुक्तों को हिरासत में लिया है।

घर में खाट पर मिला था शव, आभूषण थे गायब

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, चौनपुरा निवासी प्रार्थी राजू लाल रेगर ने बदनोर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी 72 वर्षीया बड़ी मम्मी सीता देवी घर में अकेली रहती थीं। बुधवार सुबह जब वह घर से बाहर नहीं निकलीं, तो परिजनों ने भीतर जाकर देखा। सीता देवी खाट पर मृत अवस्था में पड़ी थीं और उनके शरीर से सोने का मादलिया, चांदी का कंदोरा तथा चांदी के कड़े-जोड़ गायब थे। चूड़ियां भी टूटी हुई थीं। रात में अज्ञात बदमाशों ने उनकी हत्या कर गहने पार कर लिए थे।

उच्चाधिकारियों के निर्देशन में बनीं विशेष टीमें

वारदात की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह (IPS) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया (RPS) ने घटनास्थल का जायजा लिया। FSL, MOB और डॉग स्क्वायड की टीमों से बारीकी से साक्ष्य जुटाए गए। वृताधिकारी मसूदा शिवराज सिंह और वृताधिकारी ब्यावर राजेश कसाना के निकटतम सुपरविजन में बदनोर, विजयनगर, मसूदा थानाधिकारी, ष्ठस्ञ्ज प्रभारी और साइबर सेल की विशेष टीमों का गठन किया गया।

सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर तंत्र से मिली सफलता

अज्ञात आरोपियों की सुरागकशी के लिए पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, परिवार व पड़ोसियों से जानकारी जुटाई और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए। खुफिया आसूचना के आधार पर दो संदिग्धों–दिलीप और आकाश की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में कबूला जुर्म

प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या और लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया है। पुलिस अब अभियुक्तों का न्यायालय से रिमांड प्राप्त कर गहन पूछताछ करेगी तथा लूटे गए सोने-चांदी के आभूषणों की बरामदगी की कार्रवाई में जुटी है।

---

17 अगस्त को खुलेगा आरक्षण का पिटारा, तय होगी किस वार्ड की किस्मत...!

भीलवाड़ा नगर निगम समेत 11 निकायों में वार्ड आरक्षण की लॉटरी दावेदारों की धड़कनें तेज, चुनावी समीकरणों पर पड़ेगा सीधा असर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) नगरीय चुनाव 2026 को लेकर भीलवाड़ा में सियासी हलचल तेज हो गई है। 17 अगस्त को वार्डों के आरक्षण की लॉटरी के साथ ही कई दावेदारों की चुनावी उम्मीदों का फैसला हो जाएगा। नगर निगम भीलवाड़ा सहित जिले की विभिन्न नगर पालिकाओं के सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों के पदों एवं सीटों के आरक्षण के लिए जिला प्रशासन ने लॉटरी की तारीख तय कर दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की ओर से जारी आदेश के अनुसार 17 अगस्त 2026 को सुबह 9:30 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित सभागार में आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी। लॉटरी के नतीजे सामने आते ही किस वार्ड से कौन चुनावी मैदान में उतर सकेगा और किन दावेदारों को वार्ड बदलने की नौबत आएगी, इसकी तस्वीर साफ हो जाएगी।

11 निकायों के वार्डों पर लगेगी लॉटरी

आरक्षण की प्रक्रिया में नगर निगम भीलवाड़ा के साथ आसींद, गुलाबपुरा, गंगापुर, हमीरगढ़, बनेड़ा, शाहपुरा, जहाजपुर, बीगोद, मांडलगढ़ एवं बिजौलिया नगर पालिकाएं शामिल हैं। आरक्षण तय होने के साथ ही इन निकायों में चुनावी बिसात तेजी से बदलने के आसार हैं।

दावेदारों की धड़कनें तेज

लॉटरी से पहले ही संभावित पार्षद प्रत्याशियों में बेचैनी बढ़ गई है। लंबे समय से अपने-अपने वार्ड में राजनीतिक जमीन तैयार कर रहे दावेदारों की नजर अब आरक्षण की पर्ची पर टिकी है। वार्ड सामान्य, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य आरक्षित श्रेणी में जाने के साथ ही कई दावेदारों के चुनावी समीकरण बदल सकते हैं।

विधायकों को भी न्योता

आरक्षण लॉटरी कार्यक्रम में जिले के संबंधित विधायकों को आमंत्रित किया गया है। इनमें आसींद विधायक जबर सिंह सांखला, सहाड़ा विधायक लादू लाल पितलिया, भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी, शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा और मांडलगढ़ विधायक गोपाल लाल शर्मा शामिल हैं। स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशों के तहत यह प्रक्रिया राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 6 तथा नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार होगी। 17 अगस्त की लॉटरी के बाद ही साफ होगा–किसके वार्ड में चुनावी राह आसान होगी और किसे तलाशना पड़ेगा नया सियासी मैदान।

गुरला में देशभक्ति का जोश: गोरा भैरव मंदिर से कारोई तक भाजपा ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

स्मार्ट हलचल

गुरला। (बद्री लाल माली) स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं द्वारा गुरला से कारोई तक एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर देशभक्ति का संदेश दिया।

गोरा भैरव मंदिर से हुआ आगाज

यात्रा की शुरुआत गुरलां स्थित प्रसिद्ध गोरा भैरव मंदिर से हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत माता के जयकारों के साथ यात्रा का शुभारंभ किया। रैली में शामिल कार्यकर्ता अपने दुपहिया और चारपहिया वाहनों पर तिरंगा फहराते हुए आगे बढ़े। देशभक्ति गीतों और गगनभेदी नारों से पूरा मार्ग गुंजायमान हो उठा।

कारोई बस स्टैंड पर समापन

यह तिरंगा यात्रा गुरला से रवाना होकर करीब पांच किलोमीटर का सफर तय कर कारोई स्थित बस स्टैंड पहुंची, जहां भारत माता की आरती और राष्ट्रगान के साथ यात्रा का विधिवत समापन किया गया।

शंभू लाल गुर्जर के नेतृत्व में सफल आयोजन

मीडिया प्रभारी सत्यनारायण सेन (गुरला) ने बताया कि यह पूरी यात्रा कारोई मंडल अध्यक्ष शंभू लाल गुर्जर के कुशल नेतृत्व में आयोजित की गई थी। यात्रा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहे। इस अवसर पर भाजपा मंडल के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और सैकड़ों कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरू आस्था परिवार ने हरियाली अमावस्या पर रोपे 108 पौधे, अस्पताल को भेंट किए 40 गमले

राष्ट्रीय गुरु आस्था परिवार ने हरियाली अमावस्या पर रोपे 108 पौधे,जन्मदिवस का पुण्यार्जन बना पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

स्मार्ट हलचल

कोटा। तपोभूमि प्रणेता आचार्य 108 श्री प्रज्ञासागर जी मुनिराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से संचालित 'एक करोड़ वृक्ष' अभियान के तहत राष्ट्रीय गुरु आस्था परिवार, कोटा की ओर से मेडिकल कॉलेज स्पोर्ट्स ग्राउंड परिसर में तृतीय पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। चेयरमैन यतीश जैन खेडावाला ने बताया कि अभियान के दौरान 108 पौधे रोपे गए तथा 40 गमले सहित पौधे न्यू मेडिकल कॉलेज, कोटा के प्राचार्य डॉ. निलेश जैन को अस्पताल की गैलरी के लिए भेंट किए गए। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी मुनिराज के 'एक करोड़ वृक्ष' संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना और इसे जनआंदोलन का रूप देना परिवार का प्रमुख उद्देश्य है। महामंत्री नवीन जैन दौराया ने बताया कि चेयरमैन यतीश जैन खेडावाला के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में हरियाली अमावस्या के अवसर पर किया गया। अध्यक्ष लोकेश जैन सीसवाली ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम में लोकसभाअध्यक्ष ओम बिरला के सहयोग कोटा नगर निगम टीम एवं प्राचार्य डॉ. निलेश जैन के सहयोग से मेडिकल टीम के सहयोग से 108 पौधो का रोपण किया गया। महामंत्री नवीन दौराया ने बताया कि कार्यक्रम के आचार्य 108 श्री प्रज्ञासागर जी मुनिराज ससंघ का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम डा निलेश जैन,पूर्व नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी,भाजपा नेता जगदीश जिंदल,सकल समाज के अध्यक्ष प्रकाशबज,कार्यध्यक्ष जे के जैन,कार्यक्रम संयोजक युवा प्रकोष्ठ कार्याध्यक्ष नीतेश बड़जात्या,भूपेंद्र पिड़ावा,राजीव पाटनी,अंकुर बाकलीवाल, अभिनन्दन कोटिया,पंकज लुहाड़िया,चेतन जैन,रॉबिन काला सहित गई गुरू भक्त उपस्थित रहे। राष्ट्रीय गुरु आस्था परिवार के अध्यक्ष लोकेश जैन व महामंत्री नवीन दौराया ने बताया कि कार्यक्रम के आचार्य 108 श्री प्रज्ञासागर जी मुनिराज ससंघ का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। उपस्थित जनों ने गुरुदेव के 'एक करोड़ वृक्ष' संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा इसे जनआंदोलन बनाने का संकल्प दोहराया। सकल समाज के अध्यक्ष प्रकाश बज व कोटा के प्राचार्य डॉ. निलेश जैन ने कहा कि पौधारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

किशोर दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश,विद्यार्थियों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

एनीमिया से लेकर मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के तनाव तक पर हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा.(किशन वैष्णव) अंतरराष्ट्रीय किशोर युवा दिवस के अवसर पर राजकीय जिला चिकित्सालय शाहपुरा में पीएमओ डॉ. अशोक जैन के निर्देश पर 11 से 13 अगस्त तक तीन दिवसीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर-किशोरियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें उपलब्ध निःशुल्क परामर्श सुविधाओं की जानकारी देना है। कार्यक्रम के तहत मंगलवार को राजकीय उच्च

माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क हीमोग्लोबिन जांच शिविर लगाया गया। शिविर में किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए एनीमिया जैसी समस्या को लेकर जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार, पोषण एवं शरीर में हीमोग्लोबिन के महत्व के बारे में जानकारी दी। बुधवार को आदर्श विद्या मंदिर शाहपुरा में कक्षा 9वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को जिला चिकित्सालय में स्थापित उजाला केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि यहां किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए निःशुल्क परामर्श सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर खुलकर अपनी समस्याएं बताने तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों से परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया।

एनीमिया, स्वच्छता, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

कार्यक्रम के दौरान किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक बदलावों तथा उनसे जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को एनीमिया, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और तनाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से सोशल मीडिया के अत्यधिक या गलत उपयोग से होने वाले मानसिक तनाव और उसके दुष्प्रभावों को लेकर विद्यार्थियों को सावधान किया गया। इसके अलावा युवाओं को एचपीवी वैक्सीन के फायदे, मौसमी बीमारियों से बचाव तथा बीमारियों की रोकथाम में युवाओं की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। स्वास्थ्य जागरूकता को रोचक एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में परामर्शदाता नर्सिंग ऑफिसर सुभद्रा मंजूल शर्मा तथा फील्ड हेल्थ वर्कर टीम की एलएचवी गीता रेगर, हीरा बानू कायमखानी, संजू वर्मा, शर्मिला एवं अंजली खटीक ने सक्रिय भूमिका निभाई। तीन दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से किशोर-किशोरियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पोषण पर ध्यान देने और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करने का संदेश दिया जा रहा है।

जहाजपुर पुलिस का अपराधियों पर शिकंजा, नशा तस्करी से चोरी तक ताबड़तोड़ कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। अपराधियों की धरपकड़ को लेकर जहाजपुर पुलिस की ओर से चलाया जा रहा अभियान लगातार असरदार नजर आ रहा है। पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए एक साल से फरार दो इनामी व टॉप-10 वांछित डोडा-पोस्त तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं जहाजपुर कस्बे में मंदिर सहित अन्य स्थानों पर चोरी की वारदात करने वाले एक आरोपी को भी पुलिस ने दबोचा है। पुलिस के अनुसार डोडा-पोस्त तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी जमनालाल जाट निवासी श्रीपुरा थाना भैंसरोड़गढ़, जिला चित्तौड़गढ़ और रामचन्द्र वैष्णव निवासी श्रीपुरा थाना भैंसरोड़गढ़ को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी पुलिस की टॉप-10 वांछित सूची में शामिल थे तथा उनकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहे थे। पुलिस टीम ने मजदूर बनकर आरोपियों के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई और करीब एक साल से फरार चल रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

मंदिर चोरी के मामले में भी आरोपी गिरफ्तार

इधर, जहाजपुर कस्बे में बारह देवरा मंदिर सहित अन्य स्थानों पर चोरी की वारदात के मामले में पुलिस ने खटीक मोहल्ला निवासी 21 वर्षीय लक्ष्य कुमार उर्फ लखना को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 10 अगस्त को मंदिर में चोरी की शिकायत मिलने के बाद टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों की जानकारी जुटाई। तकनीकी अनुसंधान एवं पूछताछ के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई गई। पूछताछ में आरोपी ने वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस आरोपी से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस की लगातार कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्ती का संदेश गया है। वहीं आमजन में पुलिस की सक्रियता को लेकर सकारात्मक माहौल बना है।

पुलिस का संदेश: नशा तस्करी, चोरी सहित अन्य अपराधों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई है।

‘विधायक रामसहाय वर्मा के ससुराल में कीचड़-गड्डों से स्वागत, डिग्गी पदयात्रा मार्ग बदहाल ‘

स्मार्ट हलचल

पीपलू(नरेश कुरेडा) । उपखंड क्षेत्र के प्रमुख मार्ग पांसरोतिया-झिराना सड़क की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और जलभराव होने से राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से सड़क की मरम्मत को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पांसरोतिया गांव के मुख्य मार्ग की बदहाली दूर नहीं हो पा रही है।

सड़क की खराब स्थिति के कारण आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है। यह मार्ग प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री डिग्गी कल्याणजी महाराज की लक्की पदयात्रा का प्रमुख रास्ता भी है। प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु इसी मार्ग से डिग्गी धाम पहुंचते हैं। ऐसे में सड़क पर बने गड्ढों और भरे पानी के कारण पदयात्रियों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग से मांग की है कि डिग्गी लक्की मेले और पदयात्रा शुरू होने से पहले पांसरोतिया-झिराना मार्ग की तत्काल मरम्मत करवाई जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम राहगीरों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

सेथुरिया के सोपुरा स्कूल में 15 अगस्त से पहले व्यवस्था का संकट...

कहीं महीने से गेट के पास जलभराव, बच्चे रोज घिर रहे

स्वतंत्रता दिवस की परेड-प्रैक्टिस भी मुश्किल

अभिभावकों ने दी चेतावनी: ‘अगर रास्ता नहीं बना तो पंचायत भवन पर झंडा फहराने का बहिष्कार करेंगे ‘

स्मार्ट हलचल

गुरला देश 15 अगस्त को 80 वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। स्कूलों में तिरंगा फहराने, प्रभात फेरी और देशभक्ति गीतों की धूम है। लेकिन भीलवाड़ा जिले की ग्राम पंचायत सेथुरिया के सोपुरा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में तस्वीर बिल्कुल उलट है। यहां बच्चे ‘सारे जहां से अच्छा’ गाने की जगह कीचड़ से बचने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। स्कूल के मुख्य गेट के बाहर पिछले कही सालो से 2 से 3 फीट गंदा पानी और कीचड़ का तालाब बना हुआ है। नाली नहीं होने के कारण बरसात का पानी निकासी का रास्ता नहीं पा रहा और यहीं जमा हो रहा है।

नतीजा - 200 से अधिक छात्र-छात्राएं रोज स्कूल ड्रेस और जूते खराब कर, गिरते-पड़ते स्कूल पहुंच रहे हैं। 15 अगस्त नजदीक आते ही अभिभावकों का सब्र टूट गया है।

‘तालाब’ बन चुका है स्कूल का गेट सोपुरा गांव भीलवाड़ा से करीब 25 चरूदूर है। स्कूल जब से में बना था। तब से लेकर आज तक स्कूल के सामने नाली नहीं बनी। पहली बारिश में ही पानी भर गया। जुलाई-अगस्त में लगातार बारिश से समस्या विकराल हो गई। आज स्थिति ये है: कुछ जगह 2 फीट, कुछ जगह 3 फीट तक कीचड़ स्कूल गेट से 100 मीटर तक पूरा रास्ता खराब
सड़ा हुआ पानी, मच्छर, कीड़े। 10 मीटर दूर से ही बदबू आती है फिसलन के कारण रोज बच्चे गिरते हैं।

बच्चों की रोज की जंग: वर्दी, बीमारी और पढ़ाई

इस स्कूल में कक्षा 1 से 8 तक 111 बच्चे पढ़ते हैं।बच्चे 2/3 कीलोमीटर दूर से पैदल आते हैं।

कीचड़ की वजह से 4 बड़ी समस्या:

कपड़े और जूते खराब सरकारी स्कूल के ज्यादातर बच्चे गरीब परिवार से हैं। एक ही जोड़ी कपड़ों से पूरा साल निकालते हैं। रोज कीचड़ में भीगने से कपड़े जल्दी ही फट जाते है। जूते कीचड़ में फंसकर टूट रहे हैं। अभिभावक रोज धोते-धोते परेशान।

15 अगस्त की प्रैक्टिस प्रभावित

15 अगस्त को परेड, पीटी, देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम है। बच्चों को सफेद ड्रेस में प्रैक्टिस करनी है। लेकिन ड्रेस पहनते ही कीचड़ लग जाता है।

ग्रामीण अर्जुन पुरी ने बताया - ‘सरपंच जी के पास कहीं बार गए। हर बार एक ही जवाब - पंचायत के पास फंड नहीं है। ऊपर से पैसा आएगा तब नाली बनेगी। अरे साहब, 15 अगस्त तक तो कम से कम मिट्टी डलवा दो।’ स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरपंच चुनाव के समय तो हर गली में आते हैं, लेकिन अब फोन भी नहीं उठाते।

विधायक की तिरंगा यात्रा से पहले पानी के लिए सड़क पर उतरी महिलाएं

स्मार्ट हलचल

पीपलू (नरेश कुरेडा)। पानी की समस्या से परेशान महिलाओं का आक्रोश बुधवार को सड़क पर देखने को मिला। रानोली रोड पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और महिलाओं से समझाइश कर

जाम खुलवाने का प्रयास शुरू किया। महिलाएं पानी की समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रही हैं। खास बात यह है कि कुछ ही देर बाद इसी मार्ग से तिरंगा यात्रा निकलनी है, जिसमें विधायक रामसहाय वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की बात है। ऐसे में तिरंगा यात्रा से ठीक पहले पानी की समस्या को लेकर महिलाओं का चक्का जाम प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है।

मरुधरा माहेश्वरी महिला मंडल ने विधि-विधान से किया रुद्राभिषेक, 1111 बेलपत्रों से सजे भोलेनाथ

सावन शिवरात्रि पर भजन-कीर्तन के बीच की विशेष पूजा-अर्चना, उमड़े श्रद्धालु, मंदिर निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग भी दिया

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर मरुधरा माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। भगवान आशुतोष के रुद्राभिषेक के साथ विशेष पूजा-अर्चना की गई। 1111 बेलपत्रों से सजे शिवलिंग के दिव्य स्वरूप ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। अध्यक्ष मनीषा झंवर ने बताया की संगीतमय भजन-कीर्तन के बीच हुए धार्मिक अनुष्ठान में हर-हर महादेव के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर भगवान महादेव का 1111 बेलपत्रों से मनमोहक एवं भव्य श्रृंगार किया गया। बेलपत्रों से सजे शिवलिंग का दिव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरे धार्मिक अनुष्ठान के दौरान हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। भजनों एवं कीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। सावन शिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान शिव से परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक आयोजन के साथ ही मरुधरा महिला मंडल की ओर से समाजहित में मंदिर के निर्माण कार्य के लिए आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया। मंडल के इस सेवा कार्य की उपस्थित श्रद्धालुओं ने सराहना की। आयोजन को सफल बनाने में ईशिता झंवर श्रुति बाहेती सहित विजयलक्ष्मी चांडक, विमला सोमानी, सुमन झंवर, सीमा जेठा, श्वेता मून्द्रडा, सविता, रेनू बागड़ा, सीमा राठी के साथ कई सदस्याओ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सभी महिलाओं के सहयोग एवं सक्रिय भागीदारी से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में मंदिर समिति ने सहयोग के लिए मंडल की सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया।

आनंद ऋषि जन्म जयंती पर एकासन दिवस आज

स्मार्ट हलचल

राजेन्द्र बबलू पोखरना कोटड़ी मेवाड़ गौरव, प्रखर वक्ता पूज्य श्री रवीन्द्र मुनि जी मसा ‘नीरज’ के सानिध्य में आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनंद ऋषि जी मसा की 126वीं जन्म जयंती के अवसर पर गुरुवार को एकासन दिवस मनाया जाएगा। इसको लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह है। श्रावक-श्राविकाएं एकासन तप कर गुरु के प्रति श्रद्धा एवं सद्भावना व्यक्त करेंगे। एक दिन पूर्व बुधवार को शीतल भवन में आयोजित प्रवचन में पूज्य श्री रवीन्द्र मुनि जी मसा ने गुरु महिमा, तप और आत्मकल्याण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु का जीवन साधना, संयम और त्याग की प्रेरणा देता है। गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलकर जीवन में तप, संयम और सदाचार को अपनाना ही वास्तविक गुरु भक्ति है। उन्होंने कहा कि तप शरीर को कष्ट देने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मा को शुद्ध करने और मन को संयमित करने का साधन है। उन्होंने आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषि जी मसा के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अधिक से अधिक श्रावक-श्राविकाओं से एकासन तप में सहभागी बनने का आह्वान किया। प्रवचन के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु भक्ति एवं तप का संकल्प लिया। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष निर्मल लोढा एवं श्री शीतल वेणी मोहन वर्षावास समिति के अध्यक्ष शान्ति लाल पोखरना की ओर से समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में एकासन करने की अपील की गई है।

बाड़मेर की बेटी भगवती जाखड़ ने ऑल इंडिया रैंकिंग तीरंदाजी में जीता कांस्य पदक, अब बनेंगी कोच

स्मार्ट हलचल

बायतु (चिमु धतरवाल)। राजस्थान के बाड़मेर जिले के छोटे से गांव बायतु भीमजी की होनहार खिलाड़ी भगवती जाखड़ (पुत्री श्री पुनमा राम जाखड़) ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपने गांव और प्रदेश का नाम रोशन किया है। भगवती ने हरियाणा के सोनीपत स्थित PGDSC स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (राई) में आयोजित ‘ऑल इंडिया रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट’ (16 जुलाई 2026) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान (कांस्य पदक) हासिल किया है।

प्रमुख उपलब्धियां और भविष्य का लक्ष्य

नेशनल यूनिवर्सिटी मेडलिस्ट का अनुभव: भगवती जाखड़ पूर्व में भी ‘ऑल इंडिया नेशनल यूनिवर्सिटी’ स्तर पर पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। लगातार राष्ट्रीय मंचों पर उनकी सफलता ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

ऑल इंडिया रैंकिंग स्तर पर कोच की भूमिका:

प्रतियोगिता में अपनी छाप छोड़ने के बाद अब भगवती नेशनल और ऑल इंडिया रैंकिंग स्तर पर कोच के रूप में अपनी सेवाएं देंगी।

गांव की प्रतिभाओं को तराशने का संकल्प:

भगवती का मुख्य उद्देश्य अपने गांव ‘बायतु भीमजी’ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों को तीरंदाजी का आधुनिक प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) देना है, ताकि मरुधरा से और भी नए राष्ट्रीय खिलाड़ी निकल सकें। ‘मेहनत और लगन से अगर लक्ष्य की ओर तीर साधा जाए तो कोई भी मंजिल दूर नहीं है। मेरा लक्ष्य सिर्फ पदक जीतना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के युवाओं को विश्वस्तरीय ट्रेनिंग देकर देश के लिए नए चैंपियन तैयार करना है। ‘- भगवती जाखड़ (राष्ट्रीय तीरंदाज एवं कोच) इस उपलब्धि पर बायतु क्षेत्र और संपूर्ण बाड़मेर जिले में खुशी की लहर है। गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने भगवती जाखड़ और उनके परिवार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सर्वोदय ही ध्येय, पुण्य से मिले सामर्थ्य का उपयोग सबके मंगल में : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

गुरुवार को 1008 आयंबिल के साथ मनेगी आचार्य आनंद ऋषिजी की 126वीं जन्मजयंती

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा सर्वोदय ही ध्येय है और पुण्य के साथ मिला सामर्थ्य तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग केवल स्वयं के लिए नहीं, सबके मंगल के लिए हो। श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने बुधवार को शांतिभवन में नवदिवसीय आनंद जन्मोत्सव के अंतर्गत आयोजित विशाल धर्मसभा में आचार्य आनंद ऋषिजी के जीवन-प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि महापुरुष अपने आत्मकल्याण के साथ लोकमंगल को जीवन का उद्देश्य बनाते हैं। युवाचार्यश्री ने कहा कि कई बार व्यक्ति अच्छे कार्य करता है, फिर भी सफलता नहीं मिलती, जबकि गलत कार्य करने वाला सफल होता दिखाई देता है। सही कार्य के साथ साहस और पुरुषार्थ भी जरूरी है। भय और संकोच में व्यक्ति अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाता। परिस्थितियां प्रतिकूल हों, तब भी सही दिशा में आगे बढ़ने का साहस ही पुरुषार्थ को परिणाम तक

पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि पुण्य हो तो मिट्टी भी सोना बन जाती है और पुण्य न हो तो सोना भी कोयला बन जाता है। जीवन में मिले साधन और अनुकूलता सफलता की गारंटी नहीं हैं। उनका सदुपयोग करने के लिए पुरुषार्थ तथा उसे सही दिशा देने के लिए विवेक और संस्कार जरूरी हैं। आचार्यश्री के जीवन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास आया सामर्थ्य व्यक्तिगत सुविधा तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने उसे संघ और साधर्मिक समाज की आवश्यकता से जोड़ा। आयंबिल आराधना के लिए आयंबिल खाते की व्यवस्था, धार्मिक शिक्षा के लिए पाठशाला एवं परीक्षा बोर्ड तथा साधु-साध्वी शिक्षण निधि इसी दृष्टि के उदाहरण हैं। साधर्मिकों की सहायता और चिकित्सा सुविधा का उल्लेख करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि आनंद ऋषिजी आवश्यकता को पहचानकर उसके स्थायी समाधान की दिशा में प्रेरणा देते थे। आनंद ऋषि हॉस्पिटल भी इसी व्यापक लोकमंगल की भावना का परिणाम है। उनके लिए सेवा किसी व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं थी, बल्कि जहां आवश्यकता हो वहां सहायता पहुंचाना ही उसका उद्देश्य था। युवाचार्यश्री ने कहा कि महापुरुष की साधना की व्यापकता उसके व्यक्तिगत पुरुषार्थ से नहीं, बल्कि उससे जुड़े सामूहिक कल्याण से पहचानी जाती है। आचार्यश्री ने अपने सामर्थ्य को लोकमंगल का माध्यम बनाया और कुशल संघनायक के रूप में दायित्व निभाया। इस अवसर पर साध्वी सोम्याश्रीजी ने 21 उपवास एवं साध्वी नाव्याश्रीजी ने 10 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। बड़ी संख्या में तपस्वी भाई-बहनों ने भी युवाचार्यश्री से तीन उपवास, दो उपवास एवं आयंबिल सहित विविध तप.के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। इस दौरान साध्वीद्वय की तपस्या के उपलक्ष्य में शांति जैन महिला मंडल की ओर से शांतिभवन में भव्य चौबीसी भावा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर के सभी महिला मंडलों की महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर मंगल गीतों के माध्यम से साध्वी सोम्याश्रीजी एवं साध्वी नाव्याश्रीजी की तपस्या की अनुमोदना की। कार्यक्रम में यशोदिप्ती मधुकंवरजी, उपप्रवर्तिनी दिव्य ज्योतिजी,महासती सुचेताजी, साध्वी प्रियदर्शनाजी सहित साध्वीवृंद का सान्निध्य रहा। श्रीसंघ के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि गुरुवार को आचार्य आनंद ऋषिजी महाराज की 126वीं जन्मजयंती पर 1008 आयंबिल तप एवं तीन-तीन सामायिक के साथ जन्मजयंती मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त को विशेष प्रवचन एवं बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा 16 अगस्त, रविवार को दोपहर में ‘मन की बात युवाचार्यश्री के साथ’ बच्चो का कार्यक्रम रखा गया है।

ब्यावर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध शराब बेचते दो आरोपी गिरफ्तार, 9 पेटी शराब व बीयर जब्त

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। राजस्थान पुलिस की अपराध शाखा द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ब्यावर सदर थाना पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से कुल 9 पेटी अवैध शराब जब्त की है। जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिंह (IPS) के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया एवं वृत्ताधिकारी राजेश कसाणा के मार्गदर्शन में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। ब्यावर सदर थानाधिकारी गजराज सिंह और प्रोबेशनर RPS अधिकारी अनिल पवार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई की।

पहली कार्रवाई: रीको एरिया में मकान से शराब बरामद

पुलिस टीम ने पहली कार्रवाई रानीसागर रीको एरिया में की, जहाँ एक मकान के कमरे में अवैध रूप से शराब बेची जा रही थी। मौके से आरोपी जलाल काठात (27 वर्ष), निवासी टीकायतों की डीमडी नानणा (थाना सेंदड़ा) को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 7 पेटी अवैध देशी शराब और 1 पेटी बीयर जब्त की गई।

दूसरी कार्रवाई: अंधेरी देवरी से अंग्रेजी व देशी शराब जब्त

इसी क्रम में पुलिस ने दूसरी कार्रवाई अंधेरी देवरी क्षेत्र में की। यहाँ से आरोपी प्रभुसिंह (41 वर्ष), निवासी अंधेरी देवरी को गिरफ्तार कर उसके पास से विभिन्न ब्रांड की 1 पेटी देशी व अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

पुलिस टीम में इनका रहा विशेष योगदान

इस पूरी कार्रवाई में RPS प्रोबे. अनिल पवार का विशेष योगदान रहा। टीम में सहायक उप-निरीक्षक चेलाराम, महेंद्र कुमार मीणा, हेड कांस्टेबल देशराज (2117) तथा कांस्टेबल मांगीलाल (544), ओमप्रकाश (2856) और स्वरूपराम (573) शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ ब्यावर सदर थाने में अलग-अलग धाराओं के तहत मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और शराब तस्करों के खिलाफ आगे भी अभियान चलाकर लगातार सख्त कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

टॉडगढ़ के सरकारी दफ्तरों में राज्य स्तरीय दल का औचक छापा

11 अधिकारी-कर्मचारी नदारद, होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर / टॉडगढ़। प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार के निर्देशों पर बुधवार को राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने उपखण्ड टॉडगढ़ स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। सुबह ठीक 10:00 बजे हुई इस अचानक कार्रवाई से सरकारी दफ्तरों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान कुल 11 अधिकारी और कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण) सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे इस दल में सहायक शासन सचिव राम स्वरूप विश्नोई, अनुभागाधिकारी महेन्द्र कुमार सरावता व चेना राम भदाला तथा लिपिक ग्रेड-द्वितीय सुरेन्द्र सिंह नौहवार शामिल थे। टीम ने कार्यालयों में पहुंचकर उपस्थिति रजिस्टरों की गहन जांच की। जांच के दौरान कुल 8 रजिस्टरों का अवलोकन किया,जिनमें स्थिति चिंताजनक पाई गई:

राजपत्रित अधिकारी: कुल 11 में से 1 अधिकारी अनुपस्थित (9.09') मिले।

अराजपत्रित कर्मचारी: कुल 54 में से 10 कर्मचारी अनुपस्थित (18.51') पाए गए। औचक निरीक्षण में कुल 65 अधिकारियों-कर्मचारियों के स्टाफ में से 11 कार्मिक (16.92') ड्यूटी से गायब मिले। राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने अनुपस्थित कार्मिकों का रिकॉर्ड तैयार कर लिया है। दल के अनुसार, बिना बताए अनुपस्थित रहने वाले इन सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की रिपोर्ट उच्च स्तर पर प्रस्तुत की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र के प्रशासनिक अमले में हड़कंप व्याप्त है।

जगदीश प्रसाद गौड़ बने हिंडौन सिटी के नए उपखण्ड अधिकारी

सीकर नगर विकास न्यास सचिव से हुआ तबादला, प्रशासनिक फेरबदल में मिली जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल, अजीम खान चिनायटा

हिंडौन सिटी/करौली। राजस्थान सरकार के कार्मिक (क-4) विभाग ने सोमवार 11.08.2026 को जारी आदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। आदेश के अनुसार सीकर में सचिव, नगर विकास न्यास के पद पर कार्यरत जगदीश प्रसाद गौड़ को हिंडौन (करौली) का उपखण्ड अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह पद रिक्त चल रहा था। आदेश जारी होते ही प्रशासनिक हलकों में खुशी की लहर है। बताया जा रहा है कि जगदीश प्रसाद गौड़ जल्द ही अपना पदभार ग्रहण करेंगे। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने नई नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा कि जगदीश प्रसाद गौड़ के अनुभव से क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेगा। उपखण्ड अधिकारी के रूप में वे हिंडौन क्षेत्र में कानून व्यवस्था, राजस्व कार्य और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

हुड्डो की ढाणी में गूंजे देशभक्ति के नारे, विद्यार्थियों ने निकाली भव्य तिरंगा रैली

स्मार्ट हलचल

बायतु (चिमु धतरवाल)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हुड्डो की ढाणी में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरे। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् सहित देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और देशप्रेम का संदेश दिया। विद्यालय परिसर से शुरू हुई रैली निर्धारित मार्गों से होते हुए वापस विद्यालय पहुंची। विद्यार्थियों में तिरंगा रैली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने भी रैली का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। वरिष्ठ अध्यापक हरिसिंह कड़वासरा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने तथा हर घर तिरंगा अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रैली का आयोजन किया गया।

पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस ने शुरू किया मंथन, अमृतकुआ मंडल में कार्यकर्ताओं की बैठक...

स्मार्ट हलचल

सांगोद 12 अगस्त को आगामी पंचायतराज चुनाव को लेकर कांग्रेस ने ब्लॉक सांगोद में अपनी चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए कार्यकर्ताओं से मंथन का सिलसिला शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अमृतकुआ मंडल की ग्राम पंचायत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच मजबूती से पहुंचने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए देहात जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि आगामी पंचायतराज चुनाव कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर हैं। कार्यकर्ता पूरी एकजुटता और समर्पण के साथ गांव-गांव, बूथ-बूथ पहुंचकर जनता से सीधा संवाद करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ताकत उसका कार्यकर्ता है और जब संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता मजबूती से मैदान में उतरता है तो कोई ताकत कांग्रेस को रोक नहीं सकती। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर संगठन की मजबूती और कांग्रेस की जीत के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांगोद के अध्यक्ष मिर्जा शकील अहमद ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव को कांग्रेस पूरी मजबूती और रणनीति के साथ लड़ेगी। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए गांव और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली से परेशान है तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता की आवाज बनकर उनके बीच जाना होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव केवल प्रत्याशियों का नहीं, बल्कि हर कांग्रेस कार्यकर्ता के संघर्ष और संगठन की ताकत का चुनाव है। हम पूरी एकजुटता के साथ मैदान में उतरेंगे और कांग्रेस का परचम लहराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। बैठक को कार्यकारी अध्यक्ष कपिल नागर, मंडल अध्यक्ष ऋषिराज मीणा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सदस्य सीताराम गुर्जर, बद्रीलाल गौचर तथा पंचायत अध्यक्ष सीताराम गुर्जर ने भी संबोधित किया और आगामी चुनाव को लेकर अपने विचार एवं सुझाव रखे। बैठक में मुख्य रूप से रामस्वरूप मीणा, शम्भू सिंह, शिवप्रकाश बागड़ी, लखन मीणा, नंदकिशोर मीणा, भीमराज मीणा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने आगामी पंचायतराज चुनाव में कांग्रेस संगठन को मजबूत करते हुए पूरी ताकत और एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरने का संकल्प लिया।

बूंदी पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा पुलिस पदक से होंगे सम्मानित

स्मार्ट हलचल

बूंदी - जिले के लिए गर्व और सम्मान का एक और अवसर सामने आया है। बूंदी के पुलिस अधीक्षक आईपीएस अवनीश कुमार शर्मा को उनकी उत्कृष्ट एवं सराहनीय पुलिस सेवाओं के लिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें बीकानेर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदान किया जाएगा। 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी अवनीश कुमार शर्मा ने पुलिस सेवा में रहते हुए अपनी कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा और प्रभावी नेतृत्व से अलग पहचान बनाई है। उनके सम्मान की घोषणा से बूंदी पुलिस महकमे के साथ-साथ जिलेवासियों में भी खुशी की लहर है। बीकानेर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। इसी गरिमामय अवसर पर एसपी अवनीश कुमार शर्मा को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा।

बूंदी पुलिस परिवार में खुशी की लहर

एसपी अवनीश कुमार शर्मा को मिलने वाला यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत सेवाकाल की उपलब्धि है, बल्कि बूंदी पुलिस के लिए भी गौरव का विषय है। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मिलने वाला यह सम्मान उनके समर्पण, अनुशासन और जिम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर सम्मानित होने जा रहे एसपी अवनीश कुमार शर्मा को लेकर बूंदी जिले में गर्व का माहौल है। पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और जिलेवासियों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। बूंदी की धरती के लिए यह सम्मान गौरव का क्षण है जिससे जिले का नाम राज्य स्तर पर एक बार फिर सम्मान के साथ रोशन होगा।

भीमड़ा में संत रविदास जयंती पर समरसता संकल्प अभियान, तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

स्मार्ट हलचल

भीमड़ा (चिमु धतरवाल)। संत शिरोमणि गुरु श्री रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर बुधवार को आई माता जी मंदिर, भीमड़ा में समरसता संकल्प अभियान के तहत भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाटाडू पंचायत समिति क्षेत्र से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता, संत-महात्मा एवं श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम से पूर्व कन्याओं द्वारा रथ एवं अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद संत-महात्माओं का आशीर्वाद लेकर उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता बालाराम मूंढ़, जिला महामंत्री चनणाराम बेरड़, जिला प्रवक्ता चेनाराम कड़वासरा, मंडल अध्यक्ष मघराज सऊ, छितर का पार सरपंच बांकाराम धतरवाल, बाटाडू सरपंच प्रवीण चौधरी, भीमड़ा सरपंच किशनलाल कोडेचा, अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी भीमड़ा अध्यक्ष मखनाराम कोडेचा, देवीलाल गर्ग, हरीश गौड़ सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा नेता बालाराम मूंढ़ ने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से समाज को समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने जात-पात एवं भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को समान मानने तथा समाज में प्रेम और सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा दी। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और नई दिशा देने में प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि समरसता संकल्प अभियान का उद्देश्य संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में आपसी भाईचारे, समानता एवं सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत करना है। समाज के सभी वर्गों के विकास, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा सामाजिक समरसता, भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया।

तिरंगा यात्रा में दिखा देशभक्ति का उत्साह

कार्यक्रम के पश्चात भाजपा नेता बालाराम मूंढ़ ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए बच्चों एवं युवाओं के जोश से पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से भीमड़ा का माहौल गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं, संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

बेगूं में ब्लॉक कांग्रेस का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आज

पूर्व मंत्री उदयलाल आंजणा रहेंगे मुख्य अतिथि, निकाय व पंचायत चुनाव की बनेगी रणनीति

स्थानीय नीलकंठ महादेव मंदिर में 13 अगस्त को होगा आयोजन; जिलाध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया व विधानसभा प्रभारी भी रहेंगे मौजूद

स्मार्ट हलचल

बेगूं आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेगूं-रावतभाटा द्वारा गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण सम्मेलन प्रातः 11:00 बजे बेगूं स्थित श्री नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित होगा।

पूर्व मंत्री उदयलाल आंजणा रहेंगे मुख्य अतिथि

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अनुसार सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के पूर्व सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश अनुशासन समिति के चेयरमैन उदयलाल आंजणा शिरकत करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया एवं बेगूं विधानसभा के प्रभारी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

चुनाव रणनीति और बूथ मजबूती पर होगा विस्तृत मंथन

इस सम्मलेन में आगामी निकाय व पंचायत चुनावों की रणनीति, संगठन की धरातलीय मजबूती तथा बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर वरिष्ठ नेताओं द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा और विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही विजय का आधार: पारस जैन बोराव

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेगूं-रावतभाटा के कार्यकारी अध्यक्ष पारस जैन बोराव ने समस्त कांग्रेसजनों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में नीलकंठ महादेव मंदिर पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी ही आगामी नगर निकाय व पंचायती राज चुनावों में कांग्रेस की ऐतिहासिक विजय का आधार बनेगी।

विकास सोमानी को राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर ने अधिवक्ता विकास सोमानी (आर/2665/2008) को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल एवं महासचिव दीपेश शर्मा की ओर से 11 अगस्त 2026 को जारी आदेश में विकास सोमानी के मनोनयन की घोषणा की गई। आदेश के अनुसार उनका कार्यकाल मनोनयन की तिथि से प्रभावी होगा। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में विकास सोमानी राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नियमों एवं उप-नियमों के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। एसोसिएशन ने उनसे संगठन को आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा जताई है। विकास सोमानी के मनोनयन को अधिवक्ता समुदाय में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है।

जीनवाणी से सदाचार अंकुरित होता है अत: जीनवाणी सुनना ही नहीं बल्कि आचरण मे भी लाना है: साध्वी श्री प्रेरणा श्री जी।

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। उपनगरीय क्षेत्र सेन्थी में चातुर्मास प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं भाग लेकर धर्म लाभ से लाभान्वित हो रहे है। प्रवचन के दौरान साध्वी श्री प्रेरणा श्री जी म.सा. ने जीनवाणी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने फरमाया कि जीनवाणी रूपी वर्षा से ही जीवन सफल होता है। जीवन परिवर्तन के लिए जीनवाणी की जरूरत है। जीनवाणी के माध्यम से खोया हुआ मन जाग जाता है। जीनवाणी से सदाचार अंकुरित होता है। अतः जीनवाणी सुनना ही नहीं बल्कि आचरण मे भी लाना है। जैन सिद्धान्ताचार्य प्रतिभा श्री जी ने स्वार्थपरायणता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा तन व मन को स्वस्थ रख कर, निज स्वार्थ से उपर उठकर समाज एवं राष्ट्र सेवा मे अपना योगदान देना है। तन को स्वस्थ रखने के लिए तपना पड़ता है। इन्द्रियो को वश मे करने के लिए इन्द्रियों का दमन करना पड़ता है। साध्वी श्री प्रेक्षा श्री जी एवं साध्वी श्री दीक्षिता श्री जी ने भी अपने प्रवचन से शांतिभवन में उपस्थित सेकड़ो श्रावक श्राविकाओं को लाभान्वित किया। प्रवचन में स्थानीय सहित आसपास के कई गांवों से संघ के श्रावक श्राविकाएं भी पहुंचे जिनका श्री संघ सेन्थी ने अभिनन्दन किया।

शशि गर्ग अ.भा. महिला अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राज. की प्रदेश महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त

स्मार्ट हलचल

सी पी गोयल बारां अखिल भारतीय महिला अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी - राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष आरती गुप्ता, महामंत्री डॉ सुधा जाजोदिया के निर्देश पर महिला प्रभारी राजदुलारी गोयल की सहमति से समाजसेवी शशि गर्ग पत्नी अशोक गर्ग सर्राफ को प्रदेश महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। ज्ञात हो अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन सम्पूर्ण देश के अग्रवाल समाज का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाला एक मात्र संगठन है ।यह अपनी प्रादेशिक और जिला इकाइयों के साथ साथ पूरे देश में युवा एवं महिला मंडल के माध्यम से समस्त समाज को संगठित करने हेतु प्रयासरत रहता है । नवनियुक्त प्रदेश महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष शशि गर्ग ने कहा कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के सम्माननीय शीर्ष पदाधिकारियों ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे समाज हित में महिला सम्मेलन के लिए कार्य करने का मेरा पूरा प्रयास रहेगा । भगवान श्री अग्रसेन जी महाराज के सिद्धांतों और आदर्शों का पूरे देश में प्रचार-प्रसार होगा । शशि गर्ग को प्रदेश महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर नेहा गुप्ता,नीतू गुप्ता,राजेश मंगल,अनिता जैन, रेणु मंगल,शोभा बंसल,मंजू बंसल,दीपिका लोहिया ने प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य आशा गोयल, पिंकी गोयनका, राधा मित्तल, नीतू गर्ग, बबली अग्रवाल, नीतू गुप्ता, बबीता गर्ग, उषा निरंजन गोयल, सुशीला बंसल, अनीता जैन, निशा गोयंका, हेमलता गर्ग समेत सभी मातृशक्ति ने खुशी जाहिर करते हुए सभी ने बधाइयाँ दी।

एनएसयूआई ने किया ब्यावर कलेक्टर कार्यालय का घेराव

छात्रसंघ चुनाव बहाली और मेडिकल-विधि कॉलेज की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने तथा जिले के महाविद्यालयों व विद्यालयों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आज एनएसयूआई (ह्रस्द्ध) के कार्यकर्ताओं और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष शैलेंद्र सांखला के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने शासन व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और जिला कलेक्टर के मार्फत माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

10 सूत्रीय प्रमुख मांगें

ज्ञापन में बताया गया कि विधानसभा चुनावों से पूर्व जारी घोषणा पत्र में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने का वादा किया गया था। एनएसयूआई एवं छात्र शक्ति ने मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगें रखीं:

छात्रसंघ चुनाव की घोषणा: प्रदेश में अविलंब छात्रसंघ चुनाव बहाल कर तिथि घोषित की जाए।

मेडिकल कॉलेज की स्थापना: ब्यावर जिले में स्वास्थ्य असुविधाओं को दूर करने हेतु मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किया जाए।

विधि (लॉ) कॉलेज: ब्यावर व आसपास की 8 विधानसभाओं के छात्रों को राहत देने के लिए लॉ कॉलेज खोला जाए।

नवीन छात्रावास: स.ध. राज. महाविद्यालय में दूर-दराज से आने वाले छात्रों हेतु छात्रावास का निर्माण हो।

शिक्षकों की नियुक्ति: समस्त राजकीय संस्थानों में रिक्त पदों पर शिक्षकों तथा आवश्यकतानुसार प्रबोधकों व संविदा कर्मियों को नियुक्त किया जाए।

सेमेस्टर प्रणाली बंद हो: महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय (MDSU) में जारी सेमेस्टर प्रणाली को समाप्त कर पूर्व भांति वार्षिक परीक्षा लागू की जाए।

विज्ञान व सीटें बढ़ाना: स.ध. राज. कॉलेज ब्यावर में स्नातक विज्ञान वर्ग की सीटें बढ़ाई जाएं।

विज्ञान PG संकाय: स.ध. राज. कॉलेज में स्नातकोत्तर स्तर पर वनस्पति शास्त्र, भौतिक शास्त्र एवं गणित विभाग खोले जाएं।

इनडोर स्टेडियम: खेल प्रतिभाओं के लिए स.ध. राज. कॉलेज ब्यावर में इनडोर स्टेडियम बनाया जाए।

मूल्यांकन में सुधार: MDSU द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं की सही जांच कराई जाए, ताकि गिरते परीक्षा परिणाम व अनियमितताओं पर रोक लग सके।

प्रदर्शन में उमड़ी वरिष्ठ नेताओं व छात्र शक्ति की मौजूदगी

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यदि इन मांगों का शीघ्र निस्तारण नहीं हुआ तो एनएसयूआई प्रदेशभर में उग्र व व्यापक आंदोलन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। इस अवसर पर विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र पाल पंवार, खनन प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत, सेवादल राष्ट्रीय सचिव कल्पना भटनाकर, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष इशिका जैन, सेवादल जिलाध्यक्ष विक्रम सोनी, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव राकेश रॉयल, प्रदेश सचिव मेहरबान काठात, साहिल नागौरी, प्रवीण सिखवाल, धर्मेंद्र काला (जैतारण), अजय शर्मा (ब्यावर ब्लॉक अध्यक्ष), धर्म सिंह भाटी (जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष), भरत बाघमार (नगर अध्यक्ष) तथा नरेश मेहता उपस्थित रहे। साथ ही जशोदा गुर्जर, शोभा चौधरी, धन्ना सिंह भाटी, चेतन सांखला, घनश्याम फुलवारी, विजय फुलवारी, अशोक रांका, पुष्पेन्द्र पाल पंवार, जितेन्द्र सिंह रावत, अमित जोशी, भानु सिंह रावत, प्रवीण खरवा एवं अफजल सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता और कांग्रेसजन शामिल हुए।

किशोरियों ने जाना स्वस्थ नारी बनने का मंत्र, 'कुमारी से नारी की ओर' में स्वास्थ्य जागरूकता

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर इनरव्हील क्लब का आयोजन, मासिक धर्म स्वच्छता से सर्वाइकल कैंसर तक दी उपयोगी जानकारी

कोटा। स्वस्थ किशोरावस्था ही सशक्त और स्वस्थ भविष्य की नींव है। इसी संदेश के साथ अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर इनरव्हील क्लब कोटा की ओर से राजकीय बालिका कला महाविद्यालय कोटा में 'कुमारी से नारी की ओर' परियोजना के तहत एनसीसी छात्राओं के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष डा. नीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम में छात्राओं को किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक बदलावों, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों और स्वच्छ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. निधि बर्थुनिया ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, संबंधित रोगों से बचाव, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, एनीमिया से बचाव तथा संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को छिपाने के बजाय समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेना चाहिए। नियमित स्वास्थ्य जांच और पोषणयुक्त आहार किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। क्लब सचिव अर्चना गोयल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छात्राओं की निःशुल्क हीमोग्लोबिन जांच की गई और आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। साथ ही बीपीएनआई के तहत स्तनपान के महत्व पर आधारित क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी प्रभारी डॉ. पारुल सिंह ने किया। प्रधानाचार्य डॉ. सीमा चौहान उपस्थित रहीं, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दूबे ने किया। कार्यक्रम में राजरानी, शीला गौड़, अंशु नारंग, अंजली शर्मा, कल्पना भार्गव, वैशाली भार्गव, अल्का शर्मा एवं प्रीति गौतम सहित क्लब सदस्य उपस्थित रहीं।

शहीद श्री रामनिवास मीणा की 13वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

गढ़ हिम्मत सिंह में शहीद स्मारक पर हुआ आयोजन, हवन-पूजन, ध्वजारोहण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीद को किया नमन

स्मार्ट हलचल/नीरज मीणा

मंडावर। देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीद श्री रामनिवास मीणा की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार, 12 अगस्त 2026 को गढ़ हिम्मत सिंह स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहीद परिवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर वीर शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे हवन एवं पूजन के साथ हुई। इसके बाद सुबह 9:30 बजे ध्वजारोहण किया गया। सुबह 10 बजे शहीद श्री रामनिवास मीणा को श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान शहीद के त्याग, साहस और देशभक्ति को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर रोशन हवलदार जी, रामनिवास गोयल जी, मंडावर तहसीलदार, देवीसहाय गौड़,

केशयाराम, मुकेश खोलवाल, अनिल मीणा, जगदीश सोनी, बाबूलाल खोलवाल, अनिल शर्मा, रामदेव प्रजापत सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने शहीद श्री रामनिवास मीणा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, त्याग एवं राष्ट्रभक्ति को नमन किया। श्रद्धांजलि समारोह के दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत नजर आया। ग्रामीणों ने भारत माता की जय और शहीद अमर रहें के जयकारे लगाए। शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर उपस्थित लोगों ने देश की रक्षा के लिए दिए गए शहीद के सर्वोच्च बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिक हमेशा देशवासियों के दिलों में जीवित रहते हैं। शहीद श्री रामनिवास मीणा का त्याग और साहस आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का संदेश मिलता है। शहीद स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में ग्रामीणों ने एक स्वर में शहीद श्री रामनिवास मीणा के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि शहीद कभी मरते नहीं, वे राष्ट्र की स्मृतियों में सदैव अमर रहते हैं। उनका त्याग, साहस और देशभक्ति हमेशा क्षेत्रवासियों को प्रेरणा देती रहेगी।

जल-जमीन की जंग नौवे दिन भी जारी

सरकना में श्री सीमेंट प्रबंधन और प्रशासन के खिलाफ मुखर हुए ग्रामीण

'मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा धरना' सरकना में छात्र शक्ति की हुंकार, वियोना जाट बोलीं- NSUI भी बैठेगी धरने पर

स्मार्ट हलचल/नीरज मीणा

अनिल कुमार ब्यावर। जल, जमीन, पर्यावरण और किसानों की आजीविका के संरक्षण को लेकर ग्राम सरकना में ग्रामीणों एवं सरकना संघर्ष समिति का 'सरकना बचाओ आंदोलन' नौवें दिन भी शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहा। धरना स्थल पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर साफ किया कि जब तक उनकी मांगों का ठोस और स्थायी समाधान नहीं होता, आंदोलन खत्म नहीं होगा। नौवें दिन आंदोलन को उस समय बड़ा बल मिला जब जयपुर से ह्रस्द्ध छात्र नेता वियोना जाट अपने काफिले और समर्थकों के साथ सरकना पहुंचीं। उन्होंने संघर्ष समिति व ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। वियोना जाट ने कहा कि यह लड़ाई केवल सरकना की नहीं, बल्कि युवाओं और छात्र शक्ति की भी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि

जरूरत पड़ने पर ह्रस्द्ध की पूरी टीम ग्रामीणों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेगी। इसी क्रम में अतीत मंड के सरपंच दुष्यंत सिंह भी अपनी टीम के साथ धरना स्थल पहुंचे और ग्रामीणों के संघर्ष को वाजिब बताते हुए अपना पूर्ण समर्थन जताया।

'प्रशासन और श्री सीमेंट प्रबंधन निकाले स्थायी समाधान'

सरकना संघर्ष समिति ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि क्षेत्र के अधिकारों और पर्यावरण की रक्षा के लिए है। ग्रामीणों ने प्रशासन तथा श्री सीमेंट प्रबंधन से बातचीत के जरिए जल्द से जल्द ठोस और स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। जनप्रतिनिधियों, युवाओं और सामाजिक संगठनों से मिल रहे लगातार समर्थन से ग्रामीणों का हौसला बुलंद है।

मध्यरात्रि में राष्ट्रीय राजमार्ग पर औचक जांच: सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर 3 बसों के चालान, 65 हजार का जुर्माना

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर संचालित लक्जरी एवं स्लीपर बसों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), ब्यावर के नेतृत्व में मंगलवार मध्यरात्रि को संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण अभियान चलाया। जांच के दौरान सुरक्षा मानकों में गंभीर खामियां मिलने पर टीम ने 3 बसों के चालान बनाकर कुल ?65,000 का जुर्माना वसूला। प्राधिकरण की सचिव (अपर जिला न्यायाधीश) सोनल पारीख के नेतृत्व में निकली इस संयुक्त टीम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, उप पुलिस अधीक्षक (डीवाईएसपी), जिला परिवहन अधिकारी, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल थे। टीम ने हाईवे पर अचानक नाकेबंदी कर 5 लक्जरी एवं स्लीपर बसों को रोककर उनके परमिट, फिटनेस, आपातकालीन निकास द्वार और अग्निशामक यंत्रों की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान 3 बसों में इमरजेंसी एग्जिट (आपातकालीन निकास) में अनधिकृत बदलाव, सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता और तय नियमों की सीधी अवहेलना पाई गई। टीम ने इसे यात्रियों की जान के साथ खिलवाड़ मानते हुए मौके पर ही चालानी कार्रवाई की। सचिव सोनल पारीख ने बताया कि पूर्व में मिली शिकायतों और निरीक्षण में सामने आई अनियमितताओं के आधार पर यह दोबारा कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बसों में आपातकालीन निकास और अग्निशामक यंत्र केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि हादसों के वक्त यात्रियों की जान बचाने का मुख्य जरिया हैं। प्राधिकरण का उद्देश्य केवल जुर्माना लगाना नहीं, बल्कि बस संचालकों को यात्रियों की सुरक्षा के प्रति जवाबदेह बनाना है। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी ऐसे ही औचक निरीक्षण और कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

लगातार बारिश से बून्दी शहर हुआ पानी पानी...

बून्दी- आज दोपहर को हुई झमाझम बरसात से पूरा शहर पानी ही पानी हो गया। नागदी आज तीसरे दिन भी पूरे वेग से बही। वहीं शहर के छत्रपुरा रोड़, लंकागेट रोड़, बायपास रोड़ गायत्री नगर रोड़, देवपुरा, नैनवां रोड़, पुलिस लाइन रोड़, सिलोर रोड़ आदि पर सड़कों पर पानी ही पानी हो गया। जिससे यातायात प्रभावित रहा। शहर की कुछ निचली बस्तियों में आज फिर पानी के आने से लोगों को घरो से पानी निकालने में मशक्कत करनी पड़ी। बरसात के चलते देवालय भी जलमग्न हो गये। मंशापूर्ण गणेश मंदिर में पानी भर गया जिससे आज बुधवार के चलते श्रद्धालुओं को दर्शन बाहर से ही करने पड़े। मौसम खुला होने के साथ अचानक हुई झमाझम बरसात से बाजार भी अस्त व्यस्त हो गये। लोगों को अपने सामान समेटने व ढकने पड़े। लगातार हो रही बरसात से सभी वर्गों के चेहरे खिल उठे है। बारिश से पानी पानी हुई बूंदी शहर के छत्रपुरा रोड पर, आम जन को राहत पहुंचाने पहुंचे जिला कलेक्टर मोके पर। छत्र पूरा रोड पर पानी ही पानी पानी को देखते हुए राहत पहुंचाने के लिए जिला कलेक्टर मोके पर पहुंचे ओर पानी की निकासी में अवरोधक बने अतिक्रमियों पर चलाया पीला पंजा ओर नाले पर जितने लोगों ने अतिक्रमण कर रखा था उसे हटा कर पानी की निकासी करवाकर आमजन को राहत पहुंचाई।

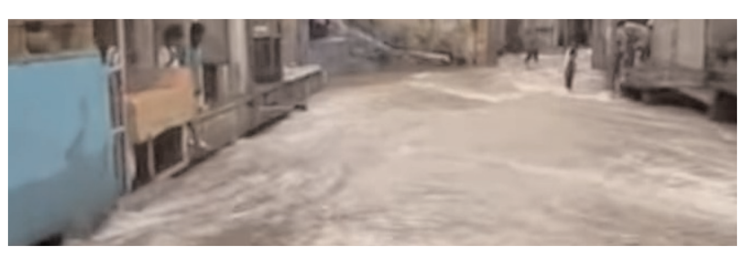

अवैध बजरी खनन पर बर पुलिस का शिकंजा: 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, माइनिंग विभाग को सौंपी कार्रवाई

विशेष अभियान के तहत बर थानाधिकारी मय टीम ने की कार्रवाई, खनन माफियाओं में मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/बर। राज्य में सुदृढ़ कानून व्यवस्था स्थापित करने और विभिन्न अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सख्त हो गया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध शाखा, राजस्थान, जयपुर) द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बर थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस टीम ने अवैध बजरी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है।

एसपी के निर्देशों पर चला चेकिंग अभियान

जिला पुलिस अधीक्षक (ब्यावर) रतनसिंह (IPS) के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ब्यावर) अनुकृति उज्जैनिया (RPS) और पुलिस उप अधीक्षक (वृत्त रायपुर) बंशीलाल पाण्डर के निकटतम सुपरविजन में बर पुलिस ने क्षेत्र में गश्त व नाकेबंदी तेज की। इसी दौरान बर थानाधिकारी पन्नालाल (उप निरीक्षक) के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी भरकर परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को मौके पर ही रोककर जब्त कर लिया।

माइनिंग विभाग को सौंपी अग्रिम कार्रवाई

जब्ती की कार्रवाई के बाद बर पुलिस ने मामले की अग्रिम वैधानिक कार्रवाई एवं नियमानुसार जुर्माना तय करने हेतु माइनिंग (खनन) विभाग को सूचित कर दिया है। थानाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि विशेष अभियान के तहत क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन में लिप्त लोगों के खिलाफ पुलिस की यह कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम:

पन्नालाल (उप निरीक्षक एवं थानाधिकारी), नंदकिशोर सिंह (सहायक उप निरीक्षक), गिरधारी लाल (कांस्टेबल नं. 601)

ब्यावर के कॉलेज परिसर में रोपे पौधे; तिरंगा रैली निकाली, नशा मुक्ति और मतदान की ली शपथ

नगर परिषद और राजकीय सनातन धर्म सभा महाविद्यालय की संयुक्त पहल हरियाली राजस्थान अभियान के तहत बहु-आयामी कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। नगर परिषद ब्यावर एवं स्थानीय राजकीय सनातन धर्म सभा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को 'हरियाली राजस्थान अभियान' के अंतर्गत सघन वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हरित क्षेत्र का विस्तार करने के साथ-साथ युवाओं और आमजन में देशभक्ति, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रातः 10 बजे आयोजित कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार व छायादार पौधे रोपे गए।

उपस्थित जनसमूह ने इन पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया।

सामाजिक बदलाव और जागरूकता का दिया संदेश

वृक्षारोपण के साथ ही परिसर में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई कार्यक्रम संपन्न हुए:

नशा मुक्ति की शपथ: कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य श्रीमती रेखा मंडोरा ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं युवाओं को नशे से दूर रहने तथा एक स्वस्थ व जागरूक समाज के निर्माण में भागीदार बनने की शपथ दिलाई।

हर घर तिरंगा अभियान-2026: नगर परिषद आयुक्त श्रीमती कीर्ति कुमावत के नेतृत्व में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए झंडारोहण किया गया तथा तिरंगा रैली निकाली गई।

मतदाता जागरूकता: लोकतंत्र में प्रत्येक वोट के महत्व को रेखांकित करते हुए उपस्थित सभी लोगों को निष्पक्ष और अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई गई।

प्रशासनिक एवं महाविद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में नगर परिषद की ओर से राजस्व अधिकारी मोहिन्द्र राय फुलवारी, प्रशासनिक अधिकारी दमयंती जयपाल, कनिष्ठ अभियन्ता कपिल गौरा, सुरेश काठात, रतन सिंह, कनिष्ठ सहायक राजेन्द्र सिंह, हरिराम लखन, के.सी. मीणा व कन्हैयालाल शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं महाविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रो. मानक राम सिंगाडिया, जसवीर सिंह, गुमान जी गहलोत, नरेंद्र साध, कला जैन, आशा मीणा, संध्या जयपाल, अंजली जयपाल, मंदरूप देवड़ा और राजेंद्र जी काटेड सहित कई शिक्षक व कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में राजस्व अधिकारी मोहिन्द्र राय फुलवारी ने सभी अतिथियों, अधिकारियों और महाविद्यालय परिवार का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में भारतीय मूल के सीएफओ को जेल, आखिर क्या है पूरा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने स्पाइनल इंप्लांट कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य वित्तीय अधिकारी को सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। दरअसल सीएफओ ने कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए सर्जनों को रिश्वत देने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि सर्जनों को यह रिश्वत फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई थी। जेल की सजा पूरी करने के बाद कैम्ब्रिज निवासी 41 वर्षीय आदित्य हुमाड को एक साल तक निगरानी में रहना होगा और उन पर 9,500 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। हुमाड ने एंटी-किकबैक कानून के उल्लंघन की साजिश रचने के आरोप में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। हुमाड पर सितंबर 2021 में स्पाइन फ्रंटियर नामक कंपनी के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किंग्सले आर. चिन के साथ आरोप लगाए गए थे। मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि हुमाड ने उन सर्जनों को 5,40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की रिश्वत देने और दिलाने की साजिश रची। यह रकम ऐसे फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई, जिनके लिए सर्जनों ने वास्तव में कोई काम नहीं किया था। अधिकारियों के अनुसार, हुमाड ने सर्जनों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए रिश्वत देने की साजिश रची। इसके बदले कंपनी को इन सर्जनों द्वारा की गई सर्जरी से लाखों डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। अमेरिकी अटॉर्नी लीह बी. फोले ने कहा कि हुमाड को जटिल रीढ़ की सर्जरी में चिकित्सकों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रिश्वत देने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया है और सजा सुनाई गई है।

तुर्किये में कुर्द लड़ाकों को मिलेगी सशर्त माफी, संसद से मिली मंजूरी; कानून कब कैसे लागू होगा

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद ने कुर्द लड़ाकों को सशर्त माफ करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। ये कानून तभी लागू होगा जब तुर्किये के अधिकारी कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के पूरी तरह हथियार डालने की पुष्टि करेंगे। पीकेके ने पिछले साल अपनी दशकों पुरानी सशस्त्र मुहिम खत्म करने और खुद को भंग करने की घोषणा की थी। यह निर्णय उसके जेल में बंद नेता अब्दुल्ला ओकलान के आह्वान पर लिया गया। यह कदम हजारों लोगों की जान लेने वाले संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में है। इससे तुर्किये-इराकी संबंध मजबूत हो सकते हैं। यह सीरियाई सरकार के उन क्षेत्रों को एकीकृत करने के प्रयासों का भी समर्थन करेगा, जो कुर्द-नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण में थे।

'हम भी मांगेंगे हर्जाना': ईरान की मुआवजे की मांग पर ट्रंप का नया दांव, बोले- अब हर बातचीत में होगा मुद्दा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से उन लोगों के लिए मुआवजे की मांग की है, जो तेहरान से जुड़े संघर्षों में मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भविष्य में होने वाली किसी भी बातचीत में यह मुद्दा शामिल किया जाएगा। ट्रंप की यह मांग उस दावे के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रतिनिधियों ने पांच महीने के सैन्य संघर्ष के दौरान ईरान को हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है। ट्रंप ने एक पोस्ट में ईरान की इस मांग को 'दिलचस्प विचार' बताया। उन्होंने कहा कि वह भी तेहरान से इसी तरह की मांग कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''मैं भी ईरान से उन सभी लोगों के लिए मुआवजे की मांग कर रहा हूं, जिन्हें उसने अपने सड़क किनारे बमों और कई संघर्षों में मारा और गंभीर रूप से घायल किया है, जिनके लिए वह मशहूर है।'' ट्रंप ने उन संघर्षों का भी जिक्र किया, जिनमें ईरानी सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी शामिल थे। उन्होंने यूएसएस कोल पर मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। इसके अलावा उन्होंने युद्ध में मारे गए हजारों अन्य लोगों के परिवारों का भी जिक्र किया। ट्रंप ने पिछले पांच दशकों के दौरान ईरान में प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, पिछले 50 वर्षों में ईरान द्वारा मारे गए सैकड़ों हजारों निर्दोष प्रदर्शनकारियों के परिवारों को भी मुआवजा दिया जाना चाहिए।'' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पिछले पांच महीनों में 52,000 लोग मारे गए हैं। हालांकि, अपनी पोस्ट में ट्रंप ने यह नहीं बताया कि मुआवजे की राशि कैसे तय की जाएगी।

ईरान-जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने बातचीत; मोजतबा खामेनेई ने छह अहम पदों पर की नियुक्तियां

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और उनके जर्मन समकक्ष जोहान वाडेफुल ने फोन पर बातचीत की। दोनों ने होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति और जारी संघर्ष को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत के दौरान अराघची ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब अमेरिका अपने सैन्य अभियान बंद करे। उन्होंने अमेरिका की ओर से ईरान के बंदरगाहों पर लगाई गई नाकाबंदी का भी जिक्र किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यह भी कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होता है, तो इसके कारण होने वाले सुरक्षा और आर्थिक नुकसान के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। वहीं, जर्मनी के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने अराघची से क्षेत्रीय पड़ोसी देशों और अमेरिका के साथ बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की, ताकि संघर्ष को खत्म करने में मदद मिल सके। वाडेफुल ने आगे जोर देकर कहा कि समुद्री मार्ग से सभी जहाजों के लिए आने-जाने की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शर्त के खोल दिया जाना चाहिए। इससे पहले रविवार को ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी संसदीय समिति ने एक रणनीतिक पहल की व्यापक रूपरेखा को मंजूरी दी थी। इस पहल का

मकसद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्रीय सुरक्षा और टिकाऊ विकास को मजबूत करना है।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ': राष्ट्रपति पेजेशकियन : उधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दावा किया कि देश के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ' हैं। उन्होंने उनकी शारीरिक स्थिति को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज किया। ईरान की समाचार एजेंसी आईएसएनए की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि जो व्यक्ति सात से आठ घंटे तक बैठकर चर्चा कर सकता है, उसे स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी बताया कि खामेनेई के साथ उनकी 'बहुत अच्छी' बैठक हुई थी। यह उच्च स्तर की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर लगातार खबरें और दावे सामने आ रहे थे। इससे पहले रविवार को ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक बिना तारीख वाला वीडियो जारी किया था। इसमें मोजतबा खामेनेई को अच्छी सेहत में दिखाई दिए थे।

सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सेना में छह अहम पदों पर नियुक्तियां कीं : इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सेना के जनरल स्टाफ, इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी और बसीज रेजिस्टेंस फोर्स में छह वरिष्ठ कमांडरों को अहम पदों पर नियुक्त किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। खामेनेई ने अलग-अलग आदेश जारी कर इन नियुक्तियों की घोषणा की। अली अब्दोल्लाही को सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ बनाया गया है, जबकि कियूमर्स हैदरी को डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है।

वहीं, अहमद वाहिदी को लेफ्टिनेंट जनरल के पद के साथ आईआरजीसी का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। मुस्तफा इजादी को आईआरजीसी का डिप्टी कमांडर-इन-चीफ बनाया गया है। अली अजमाई को आईआरजीसी की नौसेना का कमांडर नियुक्त किया गया है, जबकि होसैन ताएब को बसीज रेजिस्टेंस फोर्स का प्रमुख बनाया गया है।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने की अमेरिकी प्रतिबंधों की आलोचना : ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने मंगलवार को अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर आर्थिक प्रतिबंधों की 'लत' होने का आरोप लगाया। यह बयान अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की उस कथित टिप्पणी के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रतिबंध ईरान का 'दम घोंट' रहे हैं।

बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बार-बार प्रतिबंधों का इस्तेमाल यह दिखाता है कि अमेरिका कूटनीति के जरिये आगे बढ़ने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिकी वित्त मंत्री ने आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये ईरान का 'दम घोंटने' की बात पर गर्व जताया है। इस दावे में दिखने वाली बेबसी से आगे बढ़कर देखें, तो यह अमेरिका की प्रतिबंधों की मजबूरी और लत का साफ सबूत है।

क्या ट्रंप बच्चों का जीवन खतरे में डाल रहे टीकाकरण पर लिया बड़ा फैसला, विरोध भी शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बच्चों के टीकाकरण को लेकर बड़ा कार्यकारी आदेश जारी किया है। इस आदेश में बचपन में लगाए जाने वाले टीकों की सिफारिशों को नए तरीके से तैयार करने की बात कही गई है। ट्रंप लंबे समय से इस विचार का समर्थन करते रहे हैं कि बच्चों को एक साथ कई टीके देने के बजाय उन्हें अलग-अलग चिकित्सकीय दौरों में लगाया जाना चाहिए। इसी सोच के तहत अब खसरा, गलसुआ और रूबेला यानी एमएमआर के टीके को भी तीन अलग-अलग टीकों के रूप में देने की योजना बनाने का निर्देश दिया गया है। इस फैसले को लेकर अमेरिका में स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रशासन के बीच बहस तेज हो गई है।

ट्रंप के आदेश में आखिर क्या बदलेगा : ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि बच्चों को लगने वाले टीकों को जहां संभव हो, अलग-अलग चिकित्सकीय मुलाकातों में दिया जाए। एमएमआर टीके को तीन अलग-अलग टीकों में बांटने की योजना बनाने का भी निर्देश दिया गया है। अमेरिका में फिलहाल खसरा, गलसुआ और रूबेला के लिए अलग-अलग टीका उपलब्ध नहीं है। आदेश में अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग को टीकों पर शोध बेहतर करने और अलग-अलग एमएमआर टीके उपलब्ध कराने की योजना तैयार करने को कहा गया है। ट्रंप ने इसे अभिभावकों के अधिकार, धार्मिक और संवैधानिक अधिकार तथा विज्ञान की जीत बताया है।

विशेषज्ञों को बच्चों के संक्रमण का डर क्यों है : सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीकों के बीच ज्यादा अंतर रखने से बच्चों के संक्रमण की चपेट में आने का खतरा बढ़ सकता है। उनका तर्क है कि अगर किसी बच्चे को एक बीमारी से बचाने वाला टीका मिल गया, लेकिन दूसरे टीके के लिए अगली मुलाकात तक इंतजार करना पड़ा, तो वह उस दौरान ऐसी बीमारी से संक्रमित हो सकता है, जिससे टीका बचाव कर सकता है। बच्चों के टीकों और उन्हें किस उम्र में तथा किस संयोजन में देना है, इनका लंबे समय तक अध्ययन किया जाता है और इस्तेमाल के बाद भी उनकी सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जाती है।

क्या ट्रंप ने वैक्सीन और ऑटिज्म को फिर जोड़ा : ट्रंप ने आदेश की घोषणा के दौरान वैक्सीन की संख्या और उन्हें देने के समय को अमेरिका में बढ़ रहे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से जोड़ने की बात कही। हालांकि, इनपुट के अनुसार वैज्ञानिक सहमति और दशकों के अध्ययनों ने वैक्सीन और ऑटिज्म के बीच किसी संबंध को खारिज किया है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अध्यक्ष डॉ. एंड्रयू रेसिन ने कहा कि इस फैसले से ऐसी स्थिति में अनिश्चितता, डर और भ्रम पैदा हो रहा है, जहां इसकी जरूरत नहीं है।

क्या विरोधियों से डरने लगे पुतिन, यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी क्यों नहीं लड़ पाएगी चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी। क्या अगले संसदीय चुनाव को लेकर पुतिन डर रहे हैं दरअसल ये सवाल तब उठा जब आज रूस की सुप्रीम कोर्ट ने याब्लोको पार्टी को अगले महीने होने वाले संसदीय चुनाव से बाहर कर दिया। अदालत ने उसका चुनावी पंजीकरण रद्द कर दिया। क्योंकि याब्लोको रूस की उन राजनीतिक ताकतों में रही है जो सरकार की नीतियों की आलोचना करती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई का खुलकर विरोध करने वाली इकलौती पंजीकृत विपक्षी पार्टी थी। पिछले महीने केंद्रीय चुनाव आयोग ने याब्लोको को 10 अन्य पार्टियों के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी। लेकिन क्रेमलिन समर्थक मदरलैंड पार्टी की अपील के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और अदालत ने याब्लोको को चुनावी मैदान से बाहर कर दिया। याब्लोको ने अपने चुनावी अभियान में युद्धविराम, कूटनीति और शांति की बात को प्रमुखता दी थी। पार्टी ने परमाणु युद्ध रोकने और रूस को डर तथा राजनीतिक दमन से मुक्त बनाने जैसे मुद्दे भी उठाए। पार्टी के सह-संस्थापक और राजनीतिक समिति के अध्यक्ष ग्रिगोरी याव्लिंस्की ने अदालत के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि याब्लोको को चुनाव से बाहर करना उन लोगों से संवाद से इनकार करने जैसा है, जो सरकार से असहज सवाल पूछते हैं। याव्लिंस्की ने कहा कि पार्टी इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। उनके मुताबिक रूस में शांति और आजादी की मांग को सरकार ने जितना समझा था, उससे ज्यादा समर्थन मिला है। रूस के कई क्रेमलिन समर्थक दलों ने यूक्रेन को लेकर याब्लोको के रुख की आलोचना की थी। ए जस्ट रूस पार्टी के प्रमुख सर्गेई मिरोनोव ने अभियोजक जनरल कार्यालय और न्याय मंत्रालय से याब्लोको की गतिविधियों की जांच करने की अपील की थी। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता गेन्नेडी ज्युगानोव ने भी आरोप लगाया कि याब्लोको राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का समर्थन नहीं करती। याब्लोको को चुनाव से बाहर करने के लिए मदरलैंड पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। उसने याब्लोको पर कॉपीराइट का उल्लंघन करने और चुनावी खर्च की सीमा पार करने का आरोप लगाया।

गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट में आपराधिक आरोप खारिज, फैसले पर क्या बोले उद्योगपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने मंगलवार को अमेरिकी अदालत के आपराधिक आरोपों को खारिज करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। अदाणी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास अटूट रहा। रॉयटर्स के अनुसार, सोमवार को न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज कर दिए। जज का यह फैसला संघीय अभियोजकों को आरोप वापस लेने का अधिकार देने के बाद आया। उन्होंने अभियोजकों से इसके कारणों के बारे में पूछताछ की थी। आरोपों को खारिज करते हुए जज ने कहा कि वह संतुष्ट हैं

कि अदाणी ग्रुप की कथित निवेश प्रतिज्ञा ने न्याय विभाग के फैसले को प्रभावित नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों को खारिज करने के संघीय अभियोजकों के निर्णयों की समीक्षा में जजों की भूमिका सीमित होती है।

गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा अनुबंधों से जुड़ी रिश्वतखोरी योजना का आरोप था। इसमें अमेरिकी निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने की बात कही गई थी। इस साल मई में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इन आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। इसके बाद न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस कोर्ट ने छ्थ्श्छ्ठ से जवाब मांगा था। इस जवाब की स्थिति को मजबूत किया, जिससे कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जज के रुख का समर्थन करेंगे।

इससे पहले 4 जुलाई को छ्थ्श्छ्ठ ने जज को बताया था कि गौतम अदाणी और अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ आपराधिक मामला 'कभी नहीं लाया जाना चाहिए था'। छ्थ्श्छ्ठ ने अदालत से सभी आरोपों को स्थायी रूप से खारिज करने का आग्रह किया। उनका तर्क था कि अभियोजन कानूनी रूप से कमजोर था, मुख्य रूप से भारत केंद्रित था और अब न्याय के हितों की पूर्ति नहीं करता था। छ्थ्श्छ्ठ ने विस्तृत फाइलिंग में अपने पहले के अनुरोध का बचाव किया। विभाग ने कहा कि व्यापक समीक्षा के बाद 'खारिज करने का निर्णय स्पष्ट था '।मामला भारत से जुड़ा था, जिसमें 'कई भारतीयों ने कथित तौर पर अन्य भारतीयों को रिश्वत देने की कोशिश की थी, ताकि भारत में भारतीयों को भारतीय बिजली प्रदान करने के लिए भारतीय अनुबंध मिल सकें।

'संयुक्त राज्य अमेरिका का विश्व पुलिस होने का दिखावा कूटनीतिक तनाव पैदा कर सकता है और घरेलू चिंताओं पर बेहतर खर्च किए जाने वाले संसाधनों को भी बर्बाद करता है। भारत अपनी आंतरिक प्रणालियों को ब्रुकलिन और वाशिंगटन के अभियोजकों की तुलना में बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकता है।' DoJ ने यह भी कहा कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोपों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने कहा, 'प्रतिभूति आरोप कभी नहीं लाए जाने चाहिए थे।

हम अकेले बोझ नहीं उठाएंगे': चीन के बढ़ते दबदबे का असर, क्या एशिया को भी बेसहारा छोड़ रहा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एशिया में अपने सहयोगी देशों से रक्षा क्षेत्र में अधिक निवेश करने की अपील की है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ साझेदार के रूप में काम करना चाहता है न कि संरक्षित देशों के रूप में। अमेरिकी अधिकारी के इस बड़े बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या यूरोप की तरह अब अमेरिका एशिया में भी अपनी मौजूदगी को सीमित करने पर विचार कर रहा है गौरतलब बात ये है कि ये बयान ऐसे समय सामने आया है, जब चीन एशिया में अपना दबदबा लगातार बढ़ा रहा है और उसका कई एशियाई देशों के साथ समुद्री सीमा को लेकर विवाद चल रहा है।

अमेरिकी अधिकारी ने फिलीपींस में की ये टिप्पणी : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में अंडर

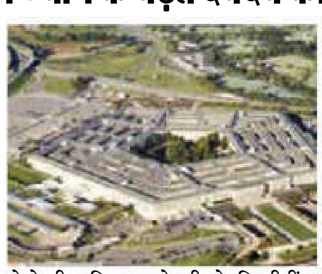

सेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने फिलीपींस में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। कोल्बी इन दिनों दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर हैं और अपने पहले पड़ाव पर वह फिलीपींस पहुंचे हैं। इसके बाद वह इंडोनेशिया, थाईलैंड और कंबोडिया का दौरा करेंगे। कोल्बी ने यह भी दोहराया कि ईरान युद्ध और मध्य पूर्व में मौजूदा अमेरिकी व्यस्तताओं के बावजूद वाशिंगटन एशिया से पीछे नहीं हट रहा है। कोल्बी ने विदेशी राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों, कारोबारियों और पत्रकारों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में कहा, 'अमेरिका बेशक एशिया से पीछे नहीं हट रहा है और हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित यहां हमारी स्थायी मौजूदगी की मांग करते हैं। हम जा नहीं रहे हैं; बल्कि हम यहां अपनी स्थिति और मजबूत कर रहे हैं, ताकि शक्ति संतुलन हमारे अनुकूल बना रहे। हम एशिया को बेहद अहम क्षेत्र मानते हैं।

चीन की आलोचना से किया परहेज : कोल्बी ने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर अमेरिका की ओर से आमतौर पर की जाने वाली तीखी आलोचना से परहेज किया। इसमें विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां भी शामिल हैं। वाशिंगटन पिछले कुछ वर्षों में फिलीपींस के तटरक्षक और नौसैनिक बलों के खिलाफ बीजिंग की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयों पर बार-बार चिंता जताता रहा है। चीन और फिलीपींस के साथ-साथ वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान दशकों से विवादित जलक्षेत्र को लेकर आमने-सामने हैं। यह जलमार्ग वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बीजिंग लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। उसने 2016 में फिलीपींस द्वारा शुरू किए गए मध्यस्थता मामले में आए उस फैसले को भी खारिज कर दिया है, जिसमें चीन के दावों को अमान्य कर दिया गया था। कोल्बी ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा मई में सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला रक्षा सम्मेलन में दिए गए भाषण में जताई गई प्रतिबद्धता को दोहराया। हेगसेथ ने कहा था कि अमेरिका पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में एक मजबूत रक्षा व्यवस्था तैयार करेगा। कोल्बी ने कहा कि 'अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जहां सबसे ज्यादा जरूरत है।

भूकंप में अब तक 132 मौतें, 570+ घायल, दुनियाभर से मदद; तबाही पर मैक्रों-रुबियो क्या बोले

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई इलाकों को हिलाकर रख दिया। भूकंप के बाद बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कम से कम 132 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस भूकंप का असर पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किया गया। हादसे के बाद स्थानीय स्तर पर बचाव दल प्रभावित इलाकों में लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप की तबाही के बाद कई देशों के नेताओं ने कोलंबिया के लोगों के प्रति संवेदना और समर्थन जताया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में कोलंबिया फ्रांस की दोस्ती और मदद पर भरोसा कर सकता है। उन्होंने भूकंप में मारे गए लोगों, उनके परिवारों, घायलों और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताई। मैक्रों ने राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों की भी सराहना की।

यूक्रेन और इटली ने किस तरह जताई एकजुटता : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी कोलंबिया के लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी कोलंबिया में आए भूकंप की खबर बेहद दुखद है और इसका असर पड़ोसी इक्वाडोर पर भी पड़ा है। उन्होंने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए दुनिया के सक्षम देशों से प्रभावित लोगों और देशों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी कहा कि वह कोलंबिया में आए भीषण भूकंप से जुड़ी खबरों पर नजर रख रही हैं और इटली प्रभावित परिवारों तथा बचाव कार्य में जुटे लोगों के साथ खड़ा है।

इक्वाडोर ने कोलंबिया को कितनी मदद की पेशकश की : भूकंप से प्रभावित कोलंबिया के लिए पड़ोसी इक्वाडोर ने तत्काल मदद की पेशकश की है। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ अज़िन ने कहा कि उनका देश कोलंबिया के साथ खड़ा है। उन्होंने कोलंबिया की मदद के लिए 47 बचावकर्मियों, प्रशिक्षित कुत्तों और जरूरी उपकरणों वाली यूएसएआर टीम उपलब्ध कराने की पेशकश की। इस टीम के पास सात दिनों तक अभियान चलाने की क्षमता बताई गई है। इक्वाडोर ने कहा कि कोलंबिया की जरूरत के मुताबिक वह इस टीम को भेजने के लिए तैयार है।

राहत और बचाव अभियान के बीच क्या चुनौती है : भूकंप के बाद सबसे बड़ी चुनौती मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचना और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कई लोग अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। ऐसे में बचाव दलों के सामने समय सबसे बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन और घायलों तक सहायता पहुंचाने का काम भी जारी है। कोलंबिया के साथ खड़े देशों की ओर से मदद की पेशकश के बीच अब स्थानीय प्रशासन के सामने राहत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने की चुनौती है।

भूकंप के बाद दुनिया की नजर किस पर : 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद अब नजर लगातार चल रहे खोज और बचाव अभियान पर है। शुरुआती जानकारी में कम से कम 132 लोगों की मौत सामने आई है, लेकिन प्रभावित इलाकों में तलाश जारी रहने के कारण स्थिति आगे बदल सकती है। कोलंबिया के साथ फ्रांस, यूक्रेन, इटली, इक्वाडोर और अमेरिका की ओर से समर्थन जताया गया है। इक्वाडोर ने तो अपनी विशेष बचाव टीम भेजने की भी पेशकश की है।

रूस ने दिया भारत के साथ सीधे रेल मार्ग का प्रस्ताव, क्या हो सकता है रूट; किसे-कितना फायदा

मास्को, एजेंसी। रूस की तरफ से भारत को सीधा रेल रूट के जरिए जोड़ने पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने दोनों देशों के बीच एक संभावित रेल लिंक खड़ा करने पर गहराई से विचार की बात कही। उन्होंने इसके लिए विकल्प के तौर पर संभावित कुछ मार्ग भी सुझाए हैं। मजेदार बात यह है कि रूस और भारत के बीच एक सीधा रेल मार्ग खड़ा करने की यह चर्चाएं कोई नई नहीं हैं। इससे पहले भी दोनों देश व्यापार के लिए रेल आधारित मार्ग बनाने पर बात कर चुके हैं। व्यापार का कुछ हिस्सा रेल मार्ग के जरिए आता-जाता भी है, हालांकि यह मार्ग फिलहाल सीमित है और दोनों देशों के अंदर तक ही स्थित है, न कि अंतर्देशीय है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर रूस की तरफ से भारत के साथ रेल मार्ग स्थापित करने के लिए हाल ही में क्या बयान दिया गया है मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच व्यापार का क्या रूट है जिस नए रेल मार्ग की बात की जा रही है, उसका संभावित रूट क्या हो सकता है इसकी जरूरत क्यों महसूस की जा रही है और इस मार्ग को लेकर चर्चाओं का इतिहास क्या रहा है आइये जानते हैं...

सबसे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किया था एलान : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही बाल्टिक और बेरेंट्स सागर से लेकर सीधे हिंद महासागर तक एक सीधे रेलवे कॉरिडोर को स्थापित करने की विशाल बुनियादी ढांचा योजना की घोषणा कर चुके हैं। रूस के अधिकारियों के मुताबिक, घोषित प्रोजेक्ट का मकसद आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है जो मिस्र के पास वाले रास्ते- स्वेज नहर की तुलना में शिपिंग समय को लगभग आधा कर देगा और माल ढुलाई के खर्च को काफी कम करेगा।

अब उप-प्रधानमंत्री ने भी दोहराई रेल मार्ग की बात : ताजा बयान रूस उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन का है, जिन्होंने बीते हफ्ते भारत तक एक सीधे रेल मार्ग के प्रस्ताव को व्यावहारिक बताया और कहा है कि इस रेल लिंक की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। रूसी सरकार ने इस जमीन-आधारित रेल कॉरिडोर के लिए एक संभावित मार्ग भी साझा किया है।

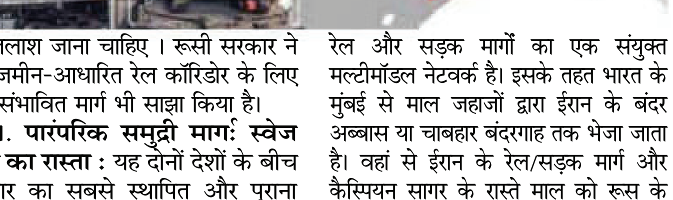

1. पारंपरिक समुद्री मार्ग: स्वेज नहर का रास्ता : यह दोनों देशों के बीच व्यापार का सबसे स्थापित और पुराना समुद्री मार्ग है। इसमें मालवाहक जहाज रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से निकल कर बोस्फोरस जलडमरूमध्य, भूमध्य सागर (मेडिटेरेनियन सागर), स्वेज नहर और लाल सागर से होते हुए मुंबई या भारत के अन्य पश्चिमी बंदरगाहों तक पहुंचते हैं। इस मार्ग से सफर पूरा होने में सामान्यतः 40 से 45 दिन या कुछ परिस्थितियों में 45 से 60 दिन का समय लगता है।

2. इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) : यह समुद्र, रेल और सड़क मार्गों का एक संयुक्त मल्टीमॉडल नेटवर्क है। इसके तहत भारत के मुंबई से माल जहाजों द्वारा ईरान के बंदर अब्बास या चाबहार बंदरगाह तक भेजा जाता है। वहां से ईरान के रेल/सड़क मार्ग और कैस्पियन सागर के रास्ते माल को रूस के मॉस्को या सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचाया जाता है।

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा : यह मार्ग भारत के पूर्वी तट (खासकर चेन्नई) को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से सीधे जोड़ता है। यह मार्ग स्वेज नहर के चक्करदार रास्ते को पूरी तरह बायपास करता है, जिससे समुद्री यात्रा का समय लगभग 18 से 20 दिन रह जाता है, जो कि पारंपरिक पश्चिमी मार्ग से लगभग 40 दिन का रहता है। हालांकि, इस मार्ग का इस्तेमाल भी सीमित व्यापार के लिए ही होता है। फिलहाल इसे कार्गो परिवहन के लिए बेहतर बनाए जाने की कोशिशें जारी हैं, ताकि व्यापार को और बढ़ाया जा सके। रूस अपने नए ट्रांस-आर्कटिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (टीएटीसी) के तहत इस आर्कटिक समुद्री मार्ग को तेजी से विकसित कर रहा है। भारत ने भी इस मार्ग में जबरदस्त रुचि दिखाई है। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे को इस आर्कटिक मार्ग से जोड़कर भविष्य में रूस के उत्तरी क्षेत्रों से भारत के पूर्वी तटों तक कोयला, तेल, गैस और अन्य कच्चे माल की सुरक्षित और तेज आपूर्ति का नया नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। रूसी उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन की ओर से सुझाया गया मार्ग पूरी तरह से जमीन के रास्ते भारत को रूस से जोड़ेगा। इसका संभावित भौगोलिक रूट रूस से तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते भारत आ सकता है। हालांकि, पाकिस्तान के साथ भारत की दूरियों के मद्देनजर उसे बायपास करने पर विचार किया जा सकता है।

भारत सितंबर में अफगानिस्तान से खेलेगा तीन मैचों की टी20 सीरीज; बांग्लादेश को क्यों लगा झटका !

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर सीरीज की घोषणा की। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। इस एलान के साथ ही बांग्लादेश की भारत के खिलाफ सितंबर में प्रस्तावित लंबे समय से लंबित सफेद गेंद की सीरीज की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सीरीज पिछले साल टल गई थी। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण दोनों टीमों के बीच प्रस्तावित सीरीज को स्थगित करना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश ने सितंबर में भारत के खिलाफ सीरीज की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, अब सितंबर के लिए भारत का कार्यक्रम अफगानिस्तान के खिलाफ तय हो गया है। ऐसे में बांग्लादेश की उस सीरीज को लेकर उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के सभी मुकाबले एक ही मैदान पर खेले जाएंगे। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम को तीनों मैचों की मेजबानी मिली है।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि बोर्ड अफगानिस्तान में क्रिकेट के विकास को समर्थन देने और उसके खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने के मौके देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय क्रिकेट टीमों को नियमित रूप से मजबूत विरोधी टीमों के खिलाफ खेलने और अनुभव हासिल करने का अवसर देता है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने भी भारत-अफगानिस्तान क्रिकेट संबंधों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों के बीच पिछले कुछ वर्षों में नियमित द्विपक्षीय मुकाबले हुए हैं। सैकिया ने याद दिलाया कि भारत ने 2018 में अफगानिस्तान के ऐतिहासिक पहले टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच अलग-अलग फॉर्मेट में लगातार मुकाबले होते रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: बाबर आजम की टॉप-10 में एंट्री

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉप-10 में धमाकेदार एंट्री की है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का इनाम मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की 4 पारियों में 2 अर्धशतक की मदद से 193 रन बनाने वाले बाबर पांच स्थान की छलांग लगाते हुए आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष 10 में बाबर एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट, चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा, छठे स्थान पर श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस, सातवें स्थान पर भारत के शुभमन गिल, आठवें स्थान पर न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र, और नौवें स्थान पर भारत के यशस्वी जायसवाल हैं। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक स्थान नीचे खिसकते हुए टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। वह 11वें वें स्थान पर हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। शीर्ष 10 में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस चौथे, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन पांचवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड छठे, और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा सातवें स्थान पर हैं। रबाडा को एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के नोमान अली एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन दसवें स्थान पर हैं।

टी20 सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार

दुबई। आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। भले ही पाकिस्तान ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज 1-2 से गंवाई, लेकिन इसके बावजूद नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंकाई टीम से, कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम की ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गईं। श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने साल 2014 के बाद पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज अपने नाम की है, जिसमें इमेशा दुलानी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीता। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 61.50 की औसत से 123 रन बनाए और टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गईं। दुलानी ने 31 जुलाई को शुरुआती मैच में शानदार शुरुआत की और मेजबान टीम को छह विकेट और छह गेंदें शेष रहते हुए 177 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

आखिरकार जॉर्जिना के हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

10 साल डेट करने के बाद गुपचुप की शादी

लिस्बन (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े सितारों में से एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब आधिकारिक तौर पर शादीशुदा हो गए हैं। 41 वर्षीय पुर्तगाली सुपरस्टार ने अपनी लंबे समय से पार्टनर रहीं जॉर्जिना रोड्रिगेज को अपना जीवनसाथी बना लिया है। दोनों ने मंगलवार, 11 अगस्त को पुर्तगाल के कास्काइस में एक बेहद निजी सिविल सेरेमनी में शादी की। खास बात यह रही कि इस मौके पर उनके पांच बच्चे भी मौजूद थे।

तीन अक्षरों में दी शादी की खबर

शादी को पूरी तरह निजी रखने वाले रोनाल्डो ने किसी बड़े एलान या भव्य तस्वीरों के बजाय सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को खुशखबरी दी। उन्होंने अपनी और जॉर्जिना की हाथों की तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों की उंगलियों में मैचिंग गोल्ड वेडिंग रिंग नजर आ रहे थे। इस तस्वीर के साथ रोनाल्डो ने सिर्फ 'ष्ठत्र' लिखा। और साथ ही दिल भी बनाया। स्पैनिश स्पोर्ट्स डेली मार्का और सऊदी अरब के अखबार गल्फ न्यूज ने भी शादी की पुष्टि की। बताया गया कि यह समारोह बेहद निजी और अंतरंग था तथा इसमें कपल के पांच बच्चे शामिल हुए।

10 साल से ज्यादा समय से साथ हैं

रोनाल्डो और जॉर्जिना का रिश्ता करीब एक दशक पुराना है। दोनों की मुलाकात 2016 में मैड्रिड में हुई थी। उस समय जॉर्जिना एक गुच्ची स्टोर में काम करती थीं। उन्होंने बाद में बताया था कि रोनाल्डो से पहली मुलाकात के दौरान उनके पेट में 'तितलियां उड़ने' जैसा एहसास हुआ था।इसके बाद दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे सार्वजनिक हुआ और दोनों ने एक साथ परिवार बसाया। रोनाल्डो के फुटबॉल करियर के स्पेन, इटली, इंग्लैंड और सऊदी अरब तक पहुंचने के दौरान जॉर्जिना लगातार उनके साथ रहीं।

2025 में हुई थी सगाई

शादी से करीब एक साल पहले जॉर्जिना ने अगस्त 2025 में सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की जानकारी दी थी। उन्होंने रोनाल्डो के साथ हाथ की तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनकी बड़ी डायमंड रिंग नजर आई थी। उस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, यस आई डू इन दिस एंड इन ऑल माई लाइव्स।

गुजरात में लौटना चाहते थे हार्दिक... पर जीटी ने बंद किए वापसी के सभी रास्ते !

पांड्या ने ऐसी क्या रख दी थी मांग?

कई टीमों ने हार्दिक में दिखाई दिलचस्पी

मुंबई। हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ भविष्य एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इसी बीच खबर है कि भारतीय ऑलराउंडर ने अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस में लौटने की कोशिश की थी। गुजरात भी उनकी वापसी के विचार के खिलाफ नहीं था, लेकिन कप्तानी को लेकर रखी गई पांड्या की मांग ने पूरी बातचीत को खत्म कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पांड्या ने अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के साथ वापसी को लेकर बातचीत की थी। पांड्या और गुजरात, दोनों ही इस संभावना के लिए तैयार थे। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह भी थी कि पांड्या ने गुजरात टाइटंस को 2022 में उसके पहले ही सीजन में आईपीएल चैंपियन बनाया था। हालांकि, वापसी के लिए पांड्या की एक अहम शर्त थी। वह चाहते थे कि गुजरात टाइटंस में लौटने के साथ उन्हें दोबारा टीम की कप्तानी भी सौंपी जाए।

कप्तानी की मांग बनी डील ब्रेकर

रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक की कप्तानी की मांग पर गुजरात टाइटंस ने आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। फ्रेंचाइजी ने मौजूदा कप्तान शुभमन गिल से भी इस संभावित बदलाव को लेकर बात की थी। गिल इस बात के लिए तैयार बताए गए कि फ्रेंचाइजी हार्दिक को वापस ट्रेड कर सकती है। लेकिन जब पांड्या की ओर से कप्तानी को वापसी की शर्त के तौर पर रखा गया, तो गुजरात टाइटंस ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। 'फ्रेंचाइजी उनके लौटने के पक्ष में थी। उन्होंने अपने कप्तान शुभमन गिल से भी इस बारे में बात की थी और वह भी इसके लिए तैयार थे। लेकिन जब कप्तानी की शर्त सामने आई, तो सभी ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।'

मुंबई इंडियंस में भी भविष्य पर सवाल

हार्दिक की गुजरात में वापसी की कोशिश ऐसे समय में सामने आई है, जब मुंबई इंडियंस में उनके भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का 2026 आईपीएल सीजन निराशाजनक रहा। टीम ने 14 में से सिर्फ चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। पांड्या का मुंबई के प्रशंसकों के साथ रिश्ता भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 2021 सीजन के बाद मुंबई का साथ छोड़ा था और 2024 में टीम में वापसी की। वापसी के बाद उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुंबई इंडियंस का टीम मैनेजमेंट पांड्या को कप्तान के तौर पर बनाए रखने को लेकर उत्सुक नहीं था। खराब सीजन के बाद टीम में उनकी भूमिका को लेकर भी विचार किया जा रहा था। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स समेत कई फ्रेंचाइजी ने हार्दिक पांड्या को लेकर मुंबई इंडियंस से पूछताछ की है।

पांड्या के प्रवक्ता ने क्या कहा

हालांकि, हार्दिक पांड्या के प्रवक्ता ने इन खबरों पर अलग रुख रखा है। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर ने ट्रांसफर या ट्रेड को लेकर किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की है। प्रवक्ता के मुताबिक, 'हार्दिक पांड्या ने ट्रांसफर, ट्रेड या किसी अन्य तरीके से किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की। अगर उनसे कोई संपर्क किया गया है, तो वह मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के जरिए किया गया है।' इस तरह गुजरात टाइटंस में वापसी की चर्चा के बावजूद कप्तानी की शर्त के कारण यह संभावित डील आगे नहीं बढ़ सकी।

संन्यास के बावजूद श्रीलंका दौरे पर क्यों गए अजिंक्य रहाणे

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे अब मैदान के अंदर नहीं, बल्कि कमेंट्री बॉक्स से टेस्ट क्रिकेट का अनुभव साझा करते नजर आएंगे। रहाणे भारत के आगामी श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी और इसी सीरीज के साथ रहाणे कमेंट्री की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। वह ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। रहाणे का यह कदम उनके करीब 18 साल लंबे फर्स्ट क्लास करियर के खत्म होने के कुछ ही समय बाद आया है। अपने करियर के बड़े हिस्से में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के मुश्किल माहौल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। अब 37 साल की उम्र में रहाणे पांच दिन तक चलने वाले टेस्ट मैच को एक खिलाड़ी के बजाय कमेंटेटर के नजरिए से देखेंगे। वह मैच के दौरान रणनीतिक फैसलों, महत्वपूर्ण पलों और मुकाबले की दिशा बदलने वाले घटनाक्रम का विश्लेषण करेंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 5,077 रन बनाए। उनके नाम 12 शतक और 26 अर्धशतक हैं। अलग-अलग परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट खेलने और दबाव के बीच प्रदर्शन करने का उनका अनुभव कमेंट्री के दौरान उनके लिए अहम साबित हो सकता है। मैदान पर लंबे समय तक खेलने के बाद अब वह अपने अनुभव के जरिए दर्शकों को टेस्ट क्रिकेट की बारीकियां समझाने की कोशिश करेंगे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

कोलंबो। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोसन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। 33 वर्षीय डिकवेला ने पिछली बार 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं।डिकवेला की वापसी की सबसे बड़ी वजह कुसल मेंडिस का टीम से बाहर होना है। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं और टीम में नहीं हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 घोषित

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज से एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलने के अपने व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत करेगा। इस मैच से 2003 के बाद टेस्ट क्रिकेट की ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में वापसी भी होगी। बांग्लादेश का दो दशकों से अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया का यह पहला टेस्ट दौरा है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 घोषित कर दी है।ऑस्ट्रेलिया का अगले 12 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। इस दौरान वह 20 टेस्ट मैच खेलेगा, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के दौरे भी शामिल हैं। अगर वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो इन मैच की संख्या 21 हो जाएगी। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। इसके बाद वह चार टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलिया को इसके बाद भारत में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। वह मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगा जो दोनों देशों के बीच टेस्ट मैचों की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com